RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक

जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 19 | अंक : 226 | 30 जुलाई, 2024 | मूल्य : 30/-प्रति

परमपूज्य गुरूवर,

जब आप हमारी शंकाएं दूर करते हैं, तब आप शंकर लगते हैं
जब मोह दूर करते हैं, तब आप मोहन लगते हैं
जब विष दूर करते हैं, तब आप विष्णु लगते हैं
जब भ्रम दूर करते हैं, तब आप ब्रह्मा लगते हैं
जब दुर्गति दूर करते हैं, तब आप दुर्गा लगते हैं
जब गुरूर दूर करते हैं, तब आप गुरूजी लगते हैं
इसलिए तो कहा है...

गुरूर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णु गुरूर्देवो महेश्वरः
गुरू साक्षात परंब्रह्मःतस्मै श्रीगुरूवे नमः

अजमेर (राज.) में आयोजित

परिचय सम्मेलन की झलकियां

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/496/2024-26

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 19 ● अंक 225 ● 30 जुलाई, 2024 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान प्रकाश चौहान
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(ह्रदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद्/ समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्योगपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाइट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार
(MD, Teren Power PVt. Ltd.)

श्रीमान रोशनलाल कच्छवाह
(रीयल स्टेट / समाजसेवी)

श्रीमान नीलेश सोलंकी
(रीयल स्टेट / समाजसेवी)

श्रीमान प्रभाकर टाक
(चेयरमेन / समाजसेवी)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

जस्टिस श्रीमान देवेन्द्र कच्छवाह
(पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट)

एडवोकेट श्रीमान पुरूषोत्तम सोलंकी
(समाजसेवी, बाड़मेर)

श्रीमान नरेन्द्रसिंह गहलोत
(पर्यावरणविद्, समाजसेवी, जोधपुर)

श्रीमान रघुभाई देवड़ा
(भामाशाह - समाजसेवी, सिरोही)

श्रीमान इंजि. जुगल किशोर भाटी
(भेल इण्डिया, भोपाल)

श्रीमान नरपत सिंह सांखला
(बिल्डर्स/समाजसेवी)

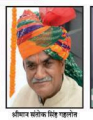

श्रीमान संतोक सिंह गहलोत
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान तारासिंह सांखला
(व्यवसायी/समाजसेवी)

संपादक की कलम से...

विवाह की बढ़ती उम्र पर खामोशी क्यों...?

कुंवारे बैठे लड़के-लड़कियों की एक गंभीर समस्या आज सामान्य रुप से सभी समाजों में उभर के सामने आ रही है। इसमें उम्र तो एक कारण है ही मगर समस्या अब इससे भी कहीं आगे बढ़ गई है, क्योंकि 30 से 35 साल तक की लड़कियां भी कुंवारी बैठी हुई है। इससे स्पष्ट है कि इस समस्या का उम्र ही एकमात्र कारण नहीं बचा है। ऐसे में लड़के लड़कियों के जवां होते सपनों पर न तो किसी समाज के कर्ता-धर्ताओं की नजर है और न ही किसी रिश्तेदार और सगे संबंधियों की। हमारी सोच कि हमें क्या मतलब है में उलझ कर रह गई है। बेशक यह सच किसी को कड़वा लग सकता है लेकिन हर समाज की हकीकत यही है, 25 वर्ष के बाद लड़कियां ससुराल के माहौल में ढल नहीं पाती है, क्योंकि उनकी आदतें पक्की और मजबूत हो जाती हैं अब उन्हें मोड़ा या झुकाया नहीं जा सकता जिस कारण घर में बहस, वाद विवाद, तलाक होता हैं बच्चे सिजेरियन ऑपरेशन से होते हैं जिस कारण बाद में बहुत सी बिमारी का सामना करना पड़ता है।

शादी के लिए लड़की की उम्र 18 साल व लड़के की उम्र 21 साल होनी चाहिए ये तो अब बस आंकड़ों में ही रह गया है। एक समय था जब संयुक्त परिवार के चलते सभी परिजन अपने ही किसी रिश्तेदार व परिचितों से शादी संबंध बालिग होते ही करा देते थे। मगर बढ़ते एकल परिवारों ने इस परेशानी को और गंभीर बना दिया है। अब तो स्थिति ऐसी हो गई है कि एकल परिवार प्रथा ने आपसी प्रेम व्यवहार ही खत्म सा कर दिया है। अब तो शादी के लिए जांच पड़ताल में और कोई तो नेगेटिव करें या न करें पर अपने ही खास सगे संबंधी उसे नेगेटिव कर, बनते संबंध खराब कर देते है।

उच्च शिक्षा और हाई जॉब, बढ़ा रहे उम्र : यूं तो शिक्षा शुरू से ही मूल आवश्यकता रही है लेकिन पिछले डेढ़ दो दशक से इसका स्थान उच्च शिक्षा या कहे कि कमाने वाली डिग्री ने ले लिया है। इसकी पूर्ति के लिए अमूमन लड़के की उम्र 23-24 या अधिक हो जाती है। इसके दो-तीन साल तक जॉब करते रहने या बिजनेस करते रहने पर उसके संबंध की बात आती है। जाहिर से इतना होते-होते लड़के की उम्र तकरीबन 30 के इर्द -गिर्द हो जाती है। इतने तक रिश्ता हो गया तो ठीक, नहीं तो लोगों की नजर तक बदल जाती है। यानि 50 सवाल खड़े हो जाते है।

प्रति के हिसाब से 30 प्लस का पड़ाव चिंता देने वाला है। न केवल लड़के-लड़की को बल्कि उसके माता-पिता, भाई-बहन, घर-परिवार और सगे संबंधियों को भी। सभी तरफ से प्रयास भी किए, बात भी जंच गई लेकिन हर संभव कोशिश के बाद भी रिश्ता न बैठने पर उनकी चिंता और बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, शंका-समाधान के लिए मंदिरों तक गए, पूजा-पाठ भी कराए, नामी विशेषज्ञों ने जो बताए वे तमाम उपाय भी कर लिए पर बात नहीं बनती। मेट्रीमोनी वेबसाइट्स व वाट्सअप पर चलते बायोडेटा की गणित इसमें कारगार होते नहीं दिखाई देते। बिना किसी मीडिएटर के संबंध होना मुश्किल ही होता है। मगर कोई मीडिएटर बनना चाहता ही नहीं है। मगर इन्हें कौन समझाए की जब हम किसी के मीडिएटर नहीं बनेंगे तो हमारा भी कोई नहीं बनेगा। एक समस्या ये भी हम पैदा करते जा रहे है कि हम सामाजिक न होकर एकांतवादी बनते जा रहे है।

क्यों नहीं सोचता समाज : समाज सेवा करने वाले लोग आज अपना नाम कमाने के लिए लाखों रुपए खर्च करने से नहीं चूकते लेकिन बिडम्बना है कि हर समाज में बढ़ रही युवाओं की विवाह की उम्र पर कोई चर्चा करने की व इस पर कार्य योजना बनाने की फुर्सत किसी को नहीं है। कहने को हर समाज की अनेक संस्थाएं हैं वे भी इस गहन बिन्दु पर चिंतित नजर नहीं आती।

पहल तो करें : हो सकता है इस मुद्दे पर समाज में पहले कभी चर्चा हुई हो लेकिन उसका ठोस समाधान अभी नजर नहीं आता। तो क्यों नहीं बीड़ा उठाएं कि एक मंच पर आकर ऐसे लड़कों व लड़कियों को लाएं जो बढ़ती उम्र में हैं और समझाइश से उनका रिश्ता कहीं करवाने की पहल करें। यह प्रयास छोटे स्तर से ही शुरू हो।

मनीष गहलोत
संपादक

मेरा समाज के सभी सामाजिक और राजनैतिक संगठनों के नेतृत्वकर्ताओं से अनुरोध है कि वे इस गंभीर समस्या पर चर्चा करें और एक ऐसा रास्ता तैयार करें जो युवाओं को भटकाव के रास्ते से रोककर विकास के मार्ग पर ले जा सकें। स्वार्थ न समझकर परोपकार समझ कर सहयोग करें।

जाति समाज से करें प्यार, सुनो भाई जीवणा दिन चार, जो नहीं करता समाज से प्यार, तो समझो उसका जीवन है बेकार।
समाज सेवा है बड़ी हितकारी, मिलकर कदम बढ़ाओ, नर हो या नारी हमारे समाज का सुखी हो हर परिवार
विनती करता है माली सैनी संदेश परिवार बारम्बार।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

जिला मुख्यालय सहित विभिन्न शहरों व गांवों में गुरु पूर्णिमा का महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

नागौर। भारतीय संस्कृति के अनुसार विभिन्न संगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ-साथ जनमानस द्वारा व्यक्तिगत रूप से भी श्रद्धा व समर्पण भाव का पर्व गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। अपने-अपने गुरु के प्रति इस अवसर पर श्रद्धा का व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से प्रकटीकरण किया गया। संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान, अमरपुरा के तत्वावधान में भी अमरपुरा स्थित धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव व संत श्री लिखमीदास जी महाराज का जन्म दिवस भी श्रद्धा भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु मातृशक्ति व पुरुषों द्वारा भक्ति भाव से स्मारक स्थल व देव मंदिर के दर्शन किए गए तथा पूजा अर्चना की गई। इसके साथ ही सामूहिक आरती भी हुई। संस्थान परिसर में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का सांसद व संस्थान अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत ने अवलोकन किया तथा चिकित्सकों से शिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के संबंध में जानकारी ली। इस शिविर में डॉ नरेन्द्र पंवार, डॉ हरवीर सिंह सांगवा, डॉ कैलाश ताडा, डॉ हेमलता सांखला एवं आयुर्वेद कंपाउंडर महेन्द्र राठी व सुनील लखारा द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। शिविर में परामर्श के साथ साथ संस्थान की तरफ से निशुल्क औषधि वितरण किया गया। डॉ हरवीर सांगवा द्वारा संधिशूल के रोगियों को अग्निकर्म चिकित्सा द्वारा राहत प्रदान की।

इस अवसर पर श्री के भजनों व वाणियों की प्रस्तुति की गई जिसमें चिंटू दाधीच, जुगल वैष्णव, रतन प्रजापत व तेजपाल द्वारा सुमधुर भजनों व वाणियों के माध्यम से भक्ति रस का संचार किया।

इस अवसर पर संस्थान उपाध्यक्ष मोती बाबा सांखला, महासचिव राधाकिशन तंवर, सह सचिव हरिश्चंद्र देवड़ा, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, सहित कार्यकारिणी के सदस्य पारसमल परिहार, धर्मेंद्र सोलंकी तथा आईदान राम भाटी, मनोहर सांखला, सोयला के कालूराम सोलंकी, कृपाराम गहलोत सहित अनेक पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान की कार्यकारिणी की बैठक भी संपन्न हुई जिसमें पदाधिकारी व कार्यकारिणी के सदस्यों ने संस्थान के विभिन्न निर्माण कार्य, धार्मिक आयोजन व विभिन्न सह शैक्षिक गतिविधियों के संबंध में चर्चा की गई। कार्यकारिणी द्वारा आगामी 1 से 5 दिसंबर तक सातवें पाटोत्सव के आयोजन के संबंध में भी निर्णय लिया गया। इसके अंतर्गत रविवार 1 दिसंबर को माली सैनी समाज के राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजन करने का भी प्रस्ताव पारित हुआ। इस संबंध में कोषाध्यक्ष कमल भाटी के नेतृत्व में संचालन समिति के गठन पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर लूणाराम सोलंकी, सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान नागौर के अध्यक्ष कृपाराम देवड़ा, सुमेर शिक्षण संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कच्छावा सहित देवकिशन सोलंकी, कैलाश गहलोत, बालकिशन, रामकुमार भाटी, दिनेश देवड़ा, पापालाल सांखला, महेंद्र गहलोत, टीकमचंद कच्छावा, रूपचंद टाक, मांगीलाल गहलोत, रामेश्वर माली, मोहन सिंह भाटी, सुरेश भाटी, गोविन्द पंवार, कुशाल कच्छावा व दीपक गहलोत सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा व संतश्री का जन्म दिवस पर संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा खारीजोधा, जायल के प्रगतिशील किसान बजरंग लाल शर्मा को खेती के संबंध में नवाचार करने व संस्थान परिसर में कृषि भूमि का अवलोकन कर विभिन्न सलाह सुझाव देने व मार्गदर्शन करने पर दुपट्टा पहन कर भावभीना स्वागत किया गया। प्रगतिशील किसान शर्मा द्वारा भविष्य में खेजड़ी व बोर की नवाचार से युक्त पौध तैयार करने के संबंध में किसानों को प्रशिक्षण देने का भी आश्वासन दिया जिसे अधिकतम किसान संस्थान के माध्यम से इस प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सके।

अमेठी के कमल मौर्य इसरो में बने वैज्ञानिक

अमेठी। जनपद के गौरीगंज क्षेत्र के कमल मौर्य ने जिले का नाम रोशन किया है। कमल का चयन इसरो में वैज्ञानिक पद पर हुआ है। वह आईआईएसटी से अंतरिक्ष विज्ञान में बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद चयनित हुए हैं। उनके चयन से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

कमल मूलरूप से गौरीगंज क्षेत्र के गुदर गांव के निवासी हैं इसरो में चयन के बाद वह इस दौरान गांव आए हुए हैं। उनके पिता जय प्रकाश मौर्य अध्यापक हैं। उनकी माता सरोज मौर्य होम्योपैथिक चिकित्सक है। कमल मौर्य ने बताया कि छह जुलाई को उनका इसरो के लिए चयन हुआ है। उनका कहना है कि चचपन से ही वैज्ञानिक बनने का सपना था। वह वैज्ञानिक बनने की बात अपने घर में भी किया करते थे। उन्होंने उंचाहार स्थित एजीएस पब्लिक स्कूल से 10 वीं और 12 वीं की परीक्षा पास की।

इसके बाद राजस्थान के कोटा मे आईआईटी के तैयारी करने चले गए। उन्होने बताया कि साल 2020 में उनका आईआईटी में चयन हुआ। इसके बाद उनका केरल के तिरूवनंतपुरम स्थित इसरो की यूनिवर्सिटी इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस सांइस एंड टेक्नोलॉजी के लिए चयन हो गया। कमल ने स्पेस टेक्नोलॉजी मे बीटेक किया। छह जुलाई 2024 को बीटेक पढ़ाई पूरी होने के बाद इसरो मे वैज्ञानिक पद पर ज्वेसमेंट मिल गया। उनकी इस सफलता से क्षेत्र में खुशी है। माली सैनी संदेश परिवार कमल को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं देता है।

7 मंजिला शैक्षिक -समाजिक भवन बन रहा शिक्षा रोजगार को प्रोत्साहन, कोचिंग कल्चर को बढ़ा रहे

गौराधाय की जीवनी को पाठ्य पुस्तकों में करवाया शामिल
युवाओं को दे रहें बेहतर सुविधाएं
5 से ज्यादा शिक्षण संस्थान शिक्षा के उन्नयन में लगें हुए हैं

जोधपुर। माली समाज की ओर से शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने का प्रयास पिछले कई सालों से किया जा रहा है। माली संस्थान की ओर से शहर के रामबाग, कीर्तिनगर, गींताजली बिल्डिंग सहित स्थानो पर शिक्षा को बढावा देने के लिए युवाओं को सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। माली संस्थान के अध्यक्ष प्रेमसिंह परिहार ने बताया कि कई सालों से युवाओं को बैकिंग सेक्टर की तैयारिया करवाने के साथ ही कई युवा ज्यादातर बैकिंग में ही सर्विस कर रहें है।

संस्थान की ओर से 2013 में शिक्षा के लिए दानदाता आंनदाराम और केवलराम की ओर से सालावास रोड़ पर 2 बीघा जमीन भी धर्मशाला सहित सामाजिक कार्यो के उद्देश्यों से दी गई थी। जिस पर संस्थान की ओर से कार्य करते हुए शिक्षा और सामाजिक कार्यो में उपयोग लेते हुए 7 मंजिला भवन बनाया जाएगा। इसके लिए कार्य भी शुरू हो चुका है।

सरकारी कर्मचारियों को रहने की सुविधा, बैंकिंग सर्विस में युवा हो रहें तैयार: परिहार ने बताया कि पिछले 40 सालों से शहर सहित आसपास के युवाओं को प्रेरित करते हुए बैंकिंग की तैयारियां करवाई जा रही हैं। राजस्थान के बाहर से भी 100 से ज्यादा युवतियां हॉस्टल मे तैयारियां में जुटी हुई हैं। माता का थान स्थित भवन में शहर के बाहर वाले सरकारी कर्मचारियों को रहने की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाती है। वहीं सूरसागर स्थित माली सैनिक क्षत्रिय संस्थान के 10 सालों में अध्यक्ष पद पर कार्यरत रणवीरसिंह परिहार ने बताया कि 100 बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने के साथ ही कॉम्पीटिशन की तैयारिया भी लाइब्रेरी में करवाई जाती हैं।

गौराधाय ने अपने पुत्र का बलिदान दिया था: माली समाज की ओर से राजस्थान बोर्ड से संपर्क कर पिछले दिनों समाज की सैनिक क्षत्रागी त्यागमूर्ति गौराधाय को पाठ्य पुस्तकों में भी शामिल करवा चुके हैं। समाज के लोगों ने बताया कि पूरे देश के समाज की युवा पीढ़ी को गौराधाय की जीवनी से अवगत करवाने के उद्देश्य से पाठ्यपुस्तकों में शामिल करवाया गया। साथ ही महिलाओं को भी गौराधाय से प्रेरणा मिलें और वे समाज स्तर पर आगे आकर कार्य करने के साथ ही खुद को मजबुर भी बना सकें। गौरतलब है कि माली समाज के मंडोर निवासी मनोहर गोपा गहलोत की पत्नी गौराधाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर मारवाड़ के बाल महाराज अजीतसिंह की रक्षा की थी। वही राव हेमाजी गहलोत की जीवनी से भी अवगत करवाया जा रहा हैं। इससे समाज की महिलाओं को त्याग की भावना की प्रेरणा मिलती रहेगी।

संतो व जनप्रतिधियों की मौजूदगी में भवन का शिलान्यास समारोह

शिक्षा को समर्पित भवन के लिए माली समाज ने 4 घंटे में जुटाए 1 करोड़

तिंवरी। माली समाज में शिक्षा की जागृति एंव प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और निशुल्क शिक्षण व्यवस्था के लिए भवन निर्माण का भुमि पूजन एंव भवन निर्माण शुभांरभ कार्यक्रम शनिवार को पीछ वाले बेरे पर आयोजित हुआ। माली प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्था तिंवरी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संतों एंव जनप्रतिनिधियों का सान्निध्य रहा। इस मौके पर बालेसर रामद्वारा के संत रामरतन महाराज ने समाज में नशा मुक्ति का संदेश देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करने का आह्वान किया। राजस्थान उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष एंव न्यायधीश देवेन्द्र कछवाह ने कहा कि दानदाताओं की ओर से भूमि का समर्पण शिक्षा के लिए करना समाज को एक नई दिशा देगा तथा समाज में शिक्षा का नया वातावरण स्थापित होगा जिससे देश के भविष्य का निर्माण सही हाथों से ही सकेगा। कार्यक्रम में सुनील परिहार ने कहा कि हमारा समाज शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा हैं। संस्थान निदेशक डूंगरराम टाक ने बताया कि समाज के भवन निर्माण के लिए भूमि दानदाता झनकारी देवी एंव उनके पुत्र पोलाराम, देवाराम व शेराराम परिहार का स्वागत किया साथ ही कार्यक्रम मे उपस्थित समाज बंधुओं ने लगभग एक करोड़ रूपए की राशि कि घोषणा कर अतिशीघ्र भवन निर्माण करने का निर्णय किया। गौरतलब हैं कि माली प्रतियोगी शिक्षण संस्था तिंवरी की ओर से दो वर्षो से अस्थाई भवन में परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है जिसमें समाज की एक सौ से अधिक छात्र छात्रए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी व अध्ययन कर रहे हैं। कार्यक्रम मे संत रामप्रसाद, जोधपुर नगर निगम उत्तर महामौर कुंती देवड़ा शिक्षा विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक प्रेमचंद सांखला, राजेश गहलोत, नरपत सिंह सांखला, युधिष्ठिर परिहार, अशोक गहलोत गंगानी, आरपी सिंह परिहार, पुखराज देवड़ा, अति.जिला आबकारी अधिकारी राधेश्याम परिहार, सहकारिता अधिकारी अमृतलाल, जेएनपीयू प्रो.दिनेश गहलोत, डॉ. महेन्द्र टाक सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि-भामाशाह सहित क्षेत्र के समाज बंधु उपस्थित रहे।

स्केट्स से केदारनाथ के दर्शन कर लौटा 11 साल का हिमांशु

राजस्थान के कोटपूतली से तय किया स्केट्स से 600 किमी का सफर

हरिद्वार। स्केट्स से 11 साल का हिमांशु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर लौटा है। बालक ने राजस्थान के कोटपूतली से छह सौ किलोमीटर का सफर तय किया। उसने स्केट्स से धार्मिक यात्रा शुरू करने का सफर अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से किया था। हरिद्वार से लौटते समय उसका समाज के लोगों ने स्वागत किया। राजस्थान के कोटपूतली निवासी हिमांशु सैनी आठवीं का छात्र है। हिमांशु ने बताया कि उसे स्केटिंग का शौक है। वह 12 जून को बाबा केदारनाथ की यात्रा पर स्केट्स से निकला था और सोन प्रयाग तक स्केट्स से गया। 23 जून को बाबा केदारनाथ के दर्शन किए। इस दौरान उनके पिता अशोक कुमार सैनी और पिता का दोस्त अमित बाइक से साथ साथ रहें। हिमांशु ने स्केट्स से

अपनी धार्मिक यात्रा अयोध्या से की। वह स्केट्स से प्राण प्रतिष्ठा समारोह से अयोध्या पहुंचा था। हालांकि, अनुमति नहीं मिलने से समारोह में शामिल नही हो सका। अयोध्या जाने के लिए हिमांशु ने 704 किलोमीटर की लंबी यात्रा स्केट्स के जरिए ही की थी। वो आठ जनवरी को कोटपूतली से निकले थे। मार्च में हिमांशु कोटापूतली से 150 किलोमीटर दूर खाटू श्याम की यात्रा स्केट्स से कर चके हैं। किशोर हिमांशु सैनी का कहना है कि वह सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और गोमाता को राष्ट्रीय गो माता का दर्जा देने और गोहत्या पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध के मकसद से स्केट्स से धार्मिक यात्राएं कर रहे हैं। स्केटिंग मे भी अपना कॅरियर बनाएंगे। गुड़गांव मे एक साल पहले हुई प्रतियोगिता में उसने चौथा स्थान प्राप्त था

लुधियाना में जल्दी ही होगा सैनी सम्मेलनः लवलीन सिंह सैनी

अजय सैनी यूथ विंग लुधियाना देहाती के प्रधान नियुक्त

पटियाला। ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज पंजाब के प्रधान कामरेड लवलीन सिंह सैनी ने कहा कि लुधियाना में जल्दी ही विशाल सैनी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होने सैनी सेवा समाज पंजाब की लुधियाना इकाई की मीटिंग को संबोधित करते कहा कि पंजाब में सैनी समाज का एकजुठ करने का सिलसिला शुरू किया हुआ है, जिसक अंतर्गत हर जिले में मीटिंग हो रही हैं। लुधियाना के समूह अधिकारियों को संबोधित करते उन्होने कहा कि लुधियाना में बडी संख्या में सैनी समाज रहता है,लिहाज हर परिवार के पास जाकर उनको संस्था के साथ जोड़ा जाए। संस्था के साथ अधिक से अधिक नौजवानों को जोड़ा जाए और समूह जिला इकाइयां यूथ विंग का गठन करें। उन्होने इस मौके यूथ विंग पंजाब के प्रधान अंकित सैनी के साथ सलाह करके अजय सैनी को लुधियाना देहाती का यूथ विंग का प्रधान नियुक्त किया।

अंकित सैनी ने बॉडी बिल्डिंग मुकाबलों में कई रिकार्ड कायम किए हैं। इस मौके अजय कुमार सैनी ने कहा कि उनको जो जिम्मेदारी दी गई है,वह उसे तनदेही और ईमानदारी के साथ निभाएंगे और नौजवान सैनी समाज को एकजुट करेंगे। जल्दी ही यूथ विंग की मीटिंग की जाएगी। इसके साथ ही उन्होने कहा की कि नौजवान पीढ़ी

को नशे से दूर करने के लिए सैमीनार आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान यूथ विंग पंजाब के प्रधान अंकित सैनी ने कहा कि संस्था का यूथ विंग प्रदेश प्रधान लवलीन सिंह सैनी के कंधे के साथ कंधा लगा कर समाज को एकजुट करेंग। लुधियाना के को-ऑर्डिनेटर और प्रसिद्ध उद्योगपति अरूण सैनी, बीरेन्द्र सिंह, नवीन सैनी, यूथ विंग लुधियाना सिटी के प्रधान कुलदीप सैनी, अश्विनी सैनी, विक्रम सैनी के अलावा बड़ी संख्या में सैनी समाज के नेता उपस्थित थे। इस दौरान लुधियाना यूनिट की तरफ से पंजाब प्रधान लवलीन सैनी को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया।

एक करोड़ रूपए के लिए चीन में भीनमाल के कारोबारी की हत्या

भीनमाल। भागल भीम रोड़ भीमजी का बेरा निवासी सतीश कुमार(24) की चीन में एक करोड़ रूपए के लिए हत्या कर दी गई। 21 जून की रात को सतीश कुमार के पिता नरसाराम माली के मोबाइल कॉल आया। बदमाशों ने सतीश से बात करवाकर एक करोड़ की फिरौती मांगी। चीन के मोबाइल नंबर से वाट्सएप कॉल करके अपहरणकर्ताओं ने पैसे जल्दी देने के लिए मैसेज भी किए। किडनैपर ने सतीश के पिता को कहा कि वह फिरौती के 1 करोड़ रूपए मुंबई में चामुंडा मोबाइल के मालिक पारस चौधरी को दे दें।

पिता व परिजनों ने 50 लाख रूपाए देने की बात किडनेपर्स को कही, लेकिन वे नही माने। 24 जून के बाद युवक और अपहरण कर्ताओं का मोबाइल बंद रहा। चीन में रह रहे मारवाड़ी समाज के लोगो ने परिजनो से संपर्क करके युवक की मौत के बारे में जानकारी दी। पिता नरसाराम माली ने बताया कि अपहरणकर्ताओं का जब कॉल आया तों उसमें उनके बेटे सतीश से बात करवाई थी।

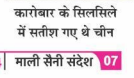

कारोबार के सिलसिले में सतीश गए थे चीन

डॉ सैनी ने जटिल कैंसर का सफल ऑपरेशन कर मरीज को दिया नया जीवनदान

चोमू। शहर के बाईपास पुलिया, सामोद रोड़ पर हाल ही में अपनी नवनिर्मित बिल्डिंग में शिफ्ट हुए सैनी हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिटी एंड ट्रोमा सेंटर के यूरोलॉजी विभाग डॉ आशुतोष सैनी कंसलटेंट यूरोलॉजिस्ट ने बताया कि एक 62 वर्षीय मरीज के छह महीने से पेशाब में खून आ रहा था।

डॉ.सैनी ने मरीज की कुछ जाँचे करवाई जिसमें पता लगा कि उनके गुर्दे की पेशाब की नली के निचले भाग में कैंसर की गाँठ है। अत: उन्होने मरीज के परिजनों को समझाया कि उन्हे बड़े ऑपरेशन की जरूरत है जिसमें गुर्दा, पिशाब की नली व कुछ भाग पिशाब की थैली का भी निकाला जाएगा। मरीज के परिजनों ने भी डॉ सैनी पर पूर्ण विश्वास जताया और ऑपरेशन की अनुमति दी। मरीज को ऑपरेशन हुए एक महीना हो गया। बायोप्सी की रिपोर्ट आने पे पता लगा की मरीज पूर्ण रूप से स्वस्थ्य व कैंसर मुक्त हो चुका है। यह जानकर मरीज के परिजन काफी खुश दिखे व डॉ. सैनी का उन्होने हाथ जोड़कर आभार जताया। अत:डॉ सैनी ने भी इस उपलब्धि के लिए हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. बी.एस. सैनी, डॉ.आशीष, शंकरलाल व हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ को तहे दिल से धन्यवाद किया।

पुष्पा माली बनी खारिया सरपंच

खारिया, मीठापुर। गांव में सरपंच पद के लिए हुए चुनाव का परिणाम रविवार रात को घोषित किया गया। ग्राम विकास अधिकारी महेन्द्र मालवीय ने बताया कि सुनीला गुर्जर को हराकर पुष्पा माली ने 815 वोटो से जीत हासिल की।

पुष्पा माली के विजय होने पर उनके समर्थकों ने मुख्य मार्गों पर आतिशबाजी कर जश्न मनाया। वहीं चुनाव कार्यालय पर जीत की खुशी पर गुड़ बांटा गया। युवाओं ने बस स्टैंड से लेकर मुख्य रास्तों

से विजय जुलूस निकाला। जुलूस में नर्देकिशोर गर्ग,चन्द्रशेखर पारीक, हुकमाराम माली, गुमानाराम माली, पूर्व सरपंच किशनसिंह राठौड, तेजाराम सीरवी निर्मल गर्ग, गणेश सैनी,उपसंरपच लक्ष्मणसिंह राठौड, भवानीसिंह राठौड रामचन्द्र माली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

हम सभी पुष्पा माली को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते है।

महात्मा ज्योति राव फुले एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित जी जी माली विधासंकुल में श्रीमती गंगाबेन वर्धाजी और श्रीमती गीताबेन वर्धाजी माली गर्ल्स हॉस्टल

महात्मा ज्योति राव फुले एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित जी जी माली विधासंकुल में श्रीमती गंगाबेन वर्धाजी और श्रीमती गीताबेन वर्धाजी माली गर्ल्स हॉस्टल बेटियों के लिए प्रवेशोत्सव कार्यक्रम। 42 कमरों वाला गुजरात का सबसे आधुनिक और खूबसूरत गर्ल्स हॉस्टल, 400 सीटों वाला गुजरात का आधुनिक पुस्तकालय, विशाल हॉल, आधुनिक रसोईघर और सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित सोसायटी भवन कुछ ही समय में बनकर तैयार हो गया। इसके तहत आज 130 कन्याओं का सरस्वती पूजन एवं मूर्ति स्थापना कर भव्य प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जीजी कॉम्प्लेक्स ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ट्रस्टी

एवं सफल प्रबंधक दादा एवं कॉम्प्लेक्स में पढ़ने वाले 400 से अधिक बेटे-बेटियां एक हजार से अधिक थे। समाज के बहुमूल्य दानदाताओं के कारण यह भव्य भवन अल्प समय में ही बनकर तैयार हो गया। अत: समाज के अनमोल दानदाताओं को बहुत-बहुत आभार प्रकट किया।

शिक्षाविद् श्रीमती किरण सैनी होगी लक्ष्मनगढ की मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

लक्ष्मनगढ 17 जुलाई। शिक्षा विभाग की ओर से मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मनगढ के पद पर श्रीमती किरण सैनी को पदस्थापित किया है। श्रीमती सैनी उदादास की ढाणी सीकर में प्रधानाचार्य के पद से पदोन्नति के बाद सीबीईओ के पद पर पदस्थापित किया है। श्रीमती सैनी सीकर की रहने वाली है तथा लक्ष्मनगढ के राकसिया परिवार की बेटी है। इनके पति सांवरमल सैनी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लोसल में प्रधानाचार्य के पद पर पदस्थापित है। जबकि श्रीमती सैनी के बड़े भाई विजय कुमार राकसिया जोधराम मोहन लाल बजाज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लक्ष्मनगढ में उपप्रधानाचार्य है। उल्लेखनीय है कि श्रीमती सैनी के सुपुत्र नीलोत्पल सैनी अमेजॉन सी टी एफ में विश्व विजेता तथा सुपुत्री दिव्या सैनी दस साल की उम्र में दसवीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण कर इतिहास रच चुकी हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि नीलोत्पल एवं दिव्या दोनों भाई - बहन वर्तमान में सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर अमेजॉन, सियटल अमेरिका में कार्यरत हैं। श्रीमती सैनी प्रधानाचार्य को पदोन्नति के बाद सीबीईओ के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्रीमती सैनी के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बनने पर शिक्षक संगठनों ने व शिक्षक नेताओं ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

New Technology स्मार्ट लॉक सेंसर से घर को रख रहे सेफ,खतरा होने या अनजान व्यक्ति के आने पर मिलती हैं सूचना

दुर रहकर भी अब मोबाइल से अपने घर और फ्लैट पर रखें नजर

जोधपुर। वर्तमान समय में न्यूक्लियर फेमिली होने के साथ ही पति-पत्नी दोनो जॉब करने से घर से बाहर रहते हैं और बच्चे स्कूल में होते है। ऐसी स्थिति में दिन में 8 से 10 घंटे तक घर व फ्लैट पर कोई नही रहता और चोरो को हाथ साफ करने का मौका मिल जाता है। ऐसे मे नए गैजेट्स लोगो की जिंदगी को आसान बनाने के साथ-साथ सुरक्षित भी रखा रहे है।

ये गैजेट्स लोगों की एनर्जी बचाने, सुरक्षा प्रदान करने के साथ हादसों को नियत्रित भी करते है। होम ऑटोमेशन ऐसा ही एक सेक्टर, जिस पर अब लोग सुरक्षित रहने व चोरी से बचने के लिए पैसा खर्च करने लगे है। होम ऑटोमेशन पहले लग्जरी लाइफ वाले अपनाते थे, अब आम लोगों की जरूरत बन गया है।

स्मार्ट फोन से होता कंट्रोल: होम ऑटोमेशल दस हजार रूपए से शुरू होने से मिडिल क्लास लोग भी आसानी से यूज कर सकते है। इसमें कई लॉक ऐसे आ गए है, जिसे स्मार्ट फोन से कंट्रोल किया जा सकता है। किसी अप्रिय घटना से बचाने के लिए इसमें सेंसर का इस्तेमाल होने यह अलार्म बजाने के साथ ही व्यक्ति को नोटिफिकेशन के जरिए सूचना भी देता है। वॉइस कमांड: होम ऑटोमेशन से घर के इलेक्ट्रिक डिवाइसेस को मोबाइल से ऑपरेटर कर सकते है। इसे दुनिया के किसी भी कोने से इस्तेमाल करके घर की बिजली बचा सकते हैं वही ज्यादा देर तक लाइट,टीवी, पंखे व एसी जैसे कोई भी डिवाइस चालू रहने पर यह मोबाइल पर नोटिफिकेशन देता है। इसमें एलेक्सा व गूगल जैसे वॉइस कमांड भी काम करते हैं।

माइक्रोवेव सेंसर: होम ऑटोमेशन में माक्रोवेव सेंसर का इस्तेमाल खासतौर पर वॉश रूम और स्मोर रूम में किया जाता है। ये सेंसर रूम से बाहर निकलने के बाद लाइट्स को ऑटोमेटिक ऑफ कर देता है। इसके लिए सेंसर का टाइम सेट करना पड़ता है। वहीं इसमें गैस और स्मोक सेंसर भी आने लगे है, जो घर व रसोई मे किसी भी तरह की गैस लीक होने पर अलर्ट करते हैं। इससे हादसों से बचा जा सकता है।

बजता है अलार्म: यह सिस्टम चोरी व अन्य तरह की घुसपेठ से घर को बचाता है। इसमें डोर और विंडो में सेंसर लगते है। जब भी कोई अनजान व्यक्ति डोर खोलने की कोशिश करता है तो मोबाइल मे नोटिफिकेशन मिलने के साथ ही अलार्म बजने लगता है। इससे घर को चोरों व अन्य लोगों से सुरक्षित रखने मे मदद मिलती है।-**लक्ष्मण गहलोत, एक्सपर्ट**

गैजेट्स की मदद जरूरी: बदलते समय के साथ सभी को स्मार्ट बनाना होगा और सिक्योरिटी के लिए गैजैट्स की मदद भी लेनी होगी। ऐसे मे होम ऑटोमेशन और होम सिक्योरिटी अब लोगों के जीवन में अहम भूमिका निभाने लगे है। अब हर कोई सिंगल डिवाइस से मल्टी टास्क करना पसंद करने से जल्द ही होम ऑटोमेशन में बड़ा बूम आने वाला है।- **सोहन सिंह सोलंकी, एक्सपर्ट**

स्मार्ट डोर लॉक: घर के दरवाजों को बंद करने व चोरो से नही खुलने के लिए स्मार्ट डोर लॉक जैसी सुविधा भी है। इस सिस्टम में फेस स्कैन लॉक, फिंगर प्रिंट लॉक, आरएफआईडी कार्ड, मोबाइल एप, ओटीपी जनरेटर व पासवर्ड जैसी सिक्योरिटी सुविधा भी है। इसके लिए एप पर यूजर का आईडी जनरेट होता है।

मदन राम देवड़ा उत्तर पश्चिम रेलवे में प्रिंसिपल सीएमओ होंगे

देवड़ा संभालेंगे थार में ट्रेनों का संचालन

भोपालगढ़। भोपालगढ़ के लिए बड़े ही गर्व की बात है। रेलवे बोर्ड ने देवड़ा को दी एच ए ग्रेड में पदोन्नति रेलवे बोर्ड ने इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस के अधिकारी को राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद (हायर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड) एच ए ग्रेड मे पदोन्नति दी गई। जिसके बाद अधिकारी मदन राम देवड़ा ही उत्तर पश्चिम रेलवे में ट्रेन संचालन प्रमुख यानी प्रिंसिपल सीओएम होंगे। देवड़ा ट्रैफिक सर्विस के 1992 बैच के अधिकारी है, उन्होने रेलवे में एओएम कोटा के पद से शुरूआत की थी। भोपालगढ़ सालग नगर निवासी शिक्षाविद् राजा राम देवड़ा के पुत्र है। पूरे उल्लेखनीय योगदान रहा है। आपका सामाजिक क्षेत्र में श्रेष्ठ योगदान रहा हैं शुरूआत से ही शिक्षा के क्षेत्र मे प्रतिभा के धनी रहे है आपने स्थानीय शिक्षा जैन रत्न उच्च शिक्षा शहर से प्राप्त की है। आपने रेलवे के डीओएम, डिप्टी सीओएम, सीनीयर डीओएम जयपुर, डिप्टी सीवीओ, सीआर एम, आईआरसीटीसी, सीसीएम, साउथ ईस्टर्न रेलवे जैसे प्रमुख पद संभाल चुके है। इसके अलावा इन्होने मलेशिया और सिंगापुर में मैनेजमैट की ट्रेनिंग भी की है। देवड़ा रेलवे क चुनिंदा अधिकारियों में शामिल है, जिन्हे कमर्शियल एंव ट्रेन ऑपरेशन की अच्छी जानकारी रखते है। इस पद पर देवड़ा के प्रमोशन होने पर पितृक गांव भोपालगढ़ में एक दूसरे को मिठाई खिलाकार बधाई दी। साथ ही प्रशासनिक अधकारियों व जनप्रतिनिधियों ने बधाई एंव शुभकामनांए प्रेषित की।

पारिवारिक जानकारी:

पिताजी राजाराम देवड़ा, अध्यापक पद से सेवानिवृत्त है, माँ गृहणी है। बड़े भाई चेतन राम देवड़ा कलेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुए है आप रेलवे के प्रमुख बने है और आपके छोटे भाई रामजीवण देवड़ा ग्राम विकास अधिकारी, मन्दरूप राम देवड़ा राजकीय महाविद्यालय ब्यावर मे लेक्चरर एंव सबसे छोटे शैलेन्द्र देवड़ा आर.ए.एस अधिकारी बीकानेर मे कार्यरत है। पूरे परिवार क सदस्य विभिन्न उच्च पदों पर आसीन है।

राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के नव नियुक्त पदाधिकारी

सचिव:
गुलाबचन्द इन्दौरा
नोरतमल सिंगोदिया
रामस्वरूप गढ़वाल
धनाराम गहलोत
भैरूलाल माली
अशोक खेतड़ी
रतनलाल माली
सुरेश गहलोत
कान्हाराम उकाणा
हेमराज महावर
प्रभुदयाल सैनी
मांगीलाल सतरावला
कन्हैयालाल सैनी
सीताराम सैनी
साधुराम सैनी
उत्तमचन्द देवड़ा
मोहन सैनी
सोहनलाल सुमन
बिरदीलाल सैनी
विरेन्द्र कुमार बागवान
उदयलाल माली
कालूराम सैनी
कन्हैयालाल सैनी
प्रहलाद तलाइच

महामंत्री:
नरसिंह गहलोत
मंजु सैनी
गोपाललाल माली
भंवरलाल सैनी
गोपाललाल बबेरवाल
भगचन्द सैनी
लामचन्द अजमेरा
करतारसिंह
पुरूषोत्तम पुष्प
गिरराज प्रसाद कंसला
घीसालाल सैनी
सत्यनारायण सैनी
हरी किशन सैनी
भंवरलाल मालाकार
पुखराज दग्दी पुष्प
अशोक पुष्प
डी.आर गहलोत
माणकराम भाटी जैतारण
संग्रामसिंह गहलोत

प्रवक्ता:
सुनिल कुमार
ताराचन्द कच्छवाहा

पाली महिलाध्यक्षा
श्रीमती ऐश्वर्या सांखला

उपाध्यक्ष:
ज्ञानचन्द सैनी
छोटूराम सांखला
सर्वेश्वर पालरिया
कैलाश आमवीर
लटूरमल सैनी
श्रीमती सुमित्रा सैनी
अजय सैनी
मोहर सिंह करोली
ब्रह्म कुमार सैनी

संरक्षक:
बिशनाराम देवड़ा
मोतीलाल सांखला
बिरदीचन्द सिंगोदिया
सेवाराम दग्दी
सुषमा तंवर
भवानीराम माली
बहादुरमल सैनी
आर.पी.सैनी
मनफूल सैनी

प्रदेश महामंत्री (मुख्यालय)
भवानीशंकर माली

जोधपुर महिलाध्यक्षा
श्रीमती अनिता परिहार

जोधपुर ग्रामीण अध्यक्ष
अशोक गहलोत

श्री लिखमीदासजी सेवा संस्थान माली समाज जालोर-मुंबई का कार्यक्रम आयोजित

श्री गुरू पूर्णिमा महोत्सव पर मुंबई के दादर में उमड़ा भारी जनसैलाब गायक रामेश्वर माली व पूजा माली ने दी भजनों की शानदार प्रस्तुतियां

जालोर/मुंबई। गुरू पूर्णिमा के पावन पर्व पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आठवां गुरू पूर्णिमा महोत्सव श्री लिखमीदासजी सेवा संस्थान माली समाज जालोर-मुंबई की ओर से रविवार को मुंबई की ओर से रविवार को मुंबई के ओसवाल समाज हॉल दादर में बड़े ही हर्षोल्लास व धुमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ्र में दीप प्रजवलित किया गया। दीप प्रज्वलित के लाभार्थी चुन्नीलाल पुत्र विरमाराम परिहार व आरती के लाभार्थी किशनलाल पुत्र डायाराम परमार थे। उसके पश्चात माली समाज के गायक कलाकार रामेश्वर माली और गायिका पूजा माली ने गणेश वंदना से भजनों का आगाज कर एक से बढ़कर एक धार्मिक भजनो की शानदार प्रस्तुति देकर भक्तो को झूमने पर मजबूर कर दिया। समारोह में मुख्य अतिथि के नाते जालोर-सिरोही-सांचौर के कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत व ममता सैनी (आईआरएस), संस्था के अध्यक्ष किशनलाल माली व संरक्षक चेनाराम परिहार व जगदीश सोलंकी समेत संस्था के कमेटी सदस्यों ने साफा व दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।

इन्होंने किया संबोधित: उसके बाद वैभव गहलोत व ममता सैनी ने माली समाज को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में सहयोग करने वाले लाभार्थी परिवार का भी संस्था की ओर से सम्मान किया गया। गुरू पूर्णिमा के इस आठवें समारोह मे भोजन प्रसाद का भी आयोजन हुआ,जिसमें सभी समाज बन्धुओ ने प्रसादी का आनंद लिया। प्रति वर्ष होने वाले इस गुरू पूर्णिमा के उत्सव को लेकर कार्यकर्ताओ और पदाधिकारी में भारी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम मुंबई स्थित ओसवाल भवन, दादा साहेब फालके रोड़, दादार (ईस्ट) में संरक्षक अध्यक्ष एंव कमेटी में बरो ने समारोह को सफल बनाने में कड़ी मेहनत की उसके लिए समाज बंधुओ ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में हजारों पुरूष व महिलाओं ने शिरकत कर समारोह की शोभा बढ़ाई। मंच संचालन कवि दिनेश्वर माली ने किया।

सावित्री बाई फुले शिक्षिका अवार्ड इस वर्ष शिक्षाविद डॉ.श्रीमती अर्चना पुरोहित व श्रीमती आरती सैनी को

लक्ष्मनगढ़ 18जुलाई। देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले के नाम से प्रतिवर्ष दिया जाने वाला सावित्री बाई फुले शिक्षिका अवार्ड इस वर्ष शिक्षाविद डॉ. श्रीमती अर्चना पुरोहित व श्रीमती आरती सैनी को दिया जायेगा।

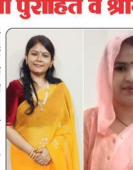

अवार्ड चयन समिति के संयोजक झाबरमल सिंगोदिया व कार्यक्रम संयोजक महेंद्र कुमार चुनवाल ने बताया कि संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर आगामी 24 जुलाई को शाम 5 बजे श्रद्धानाथ जी महाराज के आश्रम के पास स्टेशन रोड स्थित श्याम शरण मैरिज गार्डन में आयोजित श्रीमती संतरा देवी बागड़ी की 10 वीं पुण्यतिथि पर यह अवार्ड प्रदान किए जाएंगे। ट्रस्ट के मंत्री पत्रकार बाबूलाल सैनी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से 24 जुलाई को श्रीमती बागड़ी की 10वीं पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के चैयरमेन महेश बागड़ी के निर्देश पर प्रति वर्ष अवार्ड के गठित चयन समिति की ओर से चयनित दो शिक्षिकाओं को सावित्री बाई फुले शिक्षिका अवार्ड से नवाजा जाता है तथा सैनी प्रतिभाओं को भी प्रतिवर्ष 24 जुलाई को सम्मानित किया जाता है।

माली सैनी संदेश परिवार दोनों शिक्षिकाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

हार्दिक बधाई

समाज की होनहार रत्न **कृतिका (सैनी)** पुत्री रमन सिंह सैनी रिटायर्ड व्याख्याता निवासी मालीपुरा जिला भरतपुर के फूड सेफ्टी ऑफिसर पद पर चयन 14वीं रैंक के साथ होने पर हार्दिक बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। हम सभी कृतिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

समाज गौरव गोल्ड मेडलिस्ट जापान से उच्च शिक्षा प्राप्त **डॉ गरिमा शाक्य (सैनी)** का केरल IIT में प्रोफेसर पद पर चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

रामरथ सेवा समिति सर्व समाज के लिए समर्पित, 7 सालों से चल रहे हैं सेवा कार्य

शव परिवहन निःशुल्क सेवा के साथ सभी चिकित्सा व सहायता उपकरण भी है उपलब्ध

जोधपुर। रामरथ सेवा समिति मंडोर की ओर से सर्व समाज के लिए किसी के परिवार में किसी व्यक्ति का स्वर्गवास होने के दौरान जरूरत पड़ने पर शव आवास से मोक्षधाम तक ले जाने के लिए रामरथ की निशुल्क सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती है। इस सेवा कार्य के साथ किसी के घर परिवार में बीमार व्यक्ति की जरूरत पर ऑर्थोपेडिक पलंग, व्हील चेयर, वॉकर, ऑक्सीजन गैस सिलेंडर, छडी आदि अनेक तरह का वस्तुएं निशुल्क उपलब्ध करवाकर सहयोग किया जाता है। मंडोर क्षेत्र के माली क्षत्रिय समाज के लोग इस कार्य में पूरा खर्च मिलकर उठाने के साथ सेवा कार्य करते है। यह सेवा कार्य पिछले 7 वर्षो से लगातार जारी हैं। रामरथ सेवा समिति की टीम के सदस्यो के पास किसी जरूरतमंद परिवार के मैसेज आने के बाद रामरथ के रूप में वाहन एंव सामग्री सहज रूप से उपलब्ध करवाई जाती है। यह सेवा कार्य पुरी तरह से निशुल्क है, इस कार्य में कोई व्यक्ति या परिवार अपनी ओर से कोई राशि या उपकरण उपलब्ध करवाना चाहे को उसका स्वागत है। रामरथ सेवा समिति की टीम सर्व समाज के परिवार में किसी तरह के संकट की स्थिति हो तो हमेशा सहयोग करने मे अग्रणी भूमिका निभाकर सेवार्थ कार्य करते है।

इस तरह के उपकरण सेवा कार्य में सहयोग के रूप में देते हैं: रामरथ सेवा समिति जरूरत पड़ने पर लोगें कोडी फ्रीज, शव परिवहन के लिए वाहन, ऑर्थोपेडिक पलंग, पानी वाले गद्दे, व्हील चेयर, वॉकर, ऑक्सीजन गैस सिलेंडर मय किट, वेस्टन कमोड चेयर, छड़ी निः शुल्क सेवार्थ उपलब्ध करवाते है। इसके साथ ही वृद्धाश्रम, कुष्ट आश्रम, दिव्यांगजन, लावारिस, असहाय आदि को निःशुल्क अंतिम संस्कार सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। इसके साथ आमजन को मात्र खरीद लागत में संपूर्ण अंतिम संस्कार सामग्री के सभी तरह के आइटम उपलब्ध करवाए जाते है।

सेवा समिति की यह टीम सेवा कार्य में अग्रणी रहती हैं: रामरथ सेवा समिति के सेवा कार्य में अग्रणी रहने वाली टीम में अध्यक्ष जयसिंह गहलोत, उपाध्यक्ष दिनेश गहलोत, सचिव हरिसिंह आर्य, कोषाध्यक्ष रामेश्वर सांखला व सचिव के बतौर विरेन्द्रसिंह देवड़ा काम देखते हैं।

इस टीम में गुमानसिंह गहलोत, विक्रम पंवार , नरपतसिंह सोंलकी, रमेशकुमार गहलोत, जगवीरसिंह कच्चवाह, चेतनसिंह सांखला, कुंदनसिंह गहलोत, किशनसिंह देवड़ा व पर्वतसिंह भाटी के साथ भैरूसिंह गहलोत व अन्य लोग भी सहयोगी के तौर पर सेवा मे रहते हैं।

11 अगस्त को होगा माली समाज का प्रतिभावान सम्मान समारोह

प्रदेश महामंत्री माली ने की राज्यसभा सांसद गहलोत से शिष्टाचार भेंट

भीलवाड़ा 20 जुलाई। राज. प्रदेश माली (सैनी) महासभा के प्रदेश महामंत्री गोपाल लाल माली के नेतृत्व में भीलवाड़ा माली समाज का प्रतिनिधि मण्डल ने राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत से जोधपुर आवास पर शिष्टाचार भेंट कर राज. प्रदेश माली (सैनी) महासभा व माली सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी

विकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 11 अगस्त को आयोजित होने वाले मेवाड़ संभाग स्तरीय माली समाज के प्रतिभावान सम्मान समारोह में बतौर अतिथि शिरकत करने का निमंत्रण दिया गया। साथ ही सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर भी विस्तार से समाज के बारे में चर्चा की गई। साथ ही राजस्थान सरकार के पूर्व राजसीको चौयरमेन व पूर्व मंत्री सुनील परिहार को भी निमंत्रण पत्र देकर समारोह के लिए आमंत्रित किया गया। प्रतिनिधि मण्डल में माली सैनी महासभा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष भैरूलाल माली, माली सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के अध्यक्ष तोताराम सांखला, प्रभुलाल माली शामिल थे। माली सैनी कर्मचारी संस्था के सचिव कन्हैयालाल माली ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि 11 अगस्त को माली समाज का मेवाड़ स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह में सत्र 2022-23 व 2023-24 के 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में भी उत्कृ प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को भी माली समाज द्वारा प्रशस्ति-पत्र व मोमेंटों देकर सम्मानित किया जायेगा। इस समारोह में मेवाड़ संभाग के सभी जिलों व गांवो तहसीलों की माली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगा।

12 वीं पास झूमरमल माली ने खड़ी की 104 करोड़ की कम्पनी

पार्टनर के धोखा देने के बाद भी संघर्ष से आज है 256 डीलर तुनवाल ई मोटर्स के

फीनिक्स की तरह उभरना: झूमरमल पी तुनवाल की प्रेरक यात्रा

2018 में स्थापित, तुनवाल ई-मोटर्स लिमिटेड का लक्ष्य सड़कों पर हर गैसोलीन बाइक को बैटरी से चलने वाली बाइक और स्कूटर से बदलना है। झूमरमल पी. तुनवाल एक उद्यमी हैं जो ''उदय'' वाक्यांश का प्रतीक है फीनिक्स की तरह अध्यक्ष के रूप में और तुनवाल ई-मोटर्स के प्रबंध निदेशक लिमिटेड, तुनवाल की एक मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि से एक संपन्न विद्युत कंपनी के शीर्ष तक की यात्रा वाहन उद्योग उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण है, दृढ़ता, और व्यावसायिक कौशल।

पहली पीढ़ी के उद्यमी, तुनवाल ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी की स्थापना गांधीनगर, गुजरात में की थी। उनका सपना इसे एक सफल उद्यम में बदलना था हालाँकि, उनकी सफलता एक इष्यालु सहयोगी के क्रोध जिसने उनकी स्थापित फैक्ट्री में आग लगा दी, जिससे उसकी मेहनत और निवेश राख में तबदील हो गया।

अपनी कंपनी के बिना बीमा के, तुनवाल को पुनर्निर्माण के कठिन कार्य का सामना करना पड़ने के साथ भारी नुकसान सहना पड़ा। कोई अन्य व्यक्ति तबाह हो जाता, लेकिन तुनवाल मजबूत इरादों से बने थे। उनके दृढ़ निश्चय ने अपने व्यवसाय को पुनर्जीवित किया, इसे बड़ी कंपनी में बदल दिया और एक बार फिर 2018 में स्थापित हुई तुनवाल ई-मोटर्स लिमिटेड। इसका लक्ष्य सड़कों पर प्रत्येक गैसोलीन बाइक को बदलना है बैटरी से चलने वाली बाइक और स्कूटर के साथ। पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दृष्टि से उत्पाद बना बाजार का नेतृत्व करने का रहा। हरित प्रौद्योगिकी में तुनवाल ने पूरा करने के वादे का पूरा किया नवीनतम तकनीक और अत्याधुनिक डिजाइन भारतीय उपभोक्ता के सपने को पूरा करने के लिए ई-2 बाजार में क्रांति, तुनवाल ने पलसाना, राजस्थान में उनकी अपनी फैक्ट्री स्थापित की।

अत्याधुनिक, व्यापक विनिर्माण संयंत्र के साथ सर्वोत्तम प्रदान करने के लिए तुनवाल का उत्साह और दृढ़ संकल्प समृद्ध भविष्य के लिए ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी के लिए वरदान बना। आज कंपनी का पुणे में एक कॉर्पोरेट कार्यालय है।

तुनवाल ई-मोटर्स की उन्नति का श्रेय दिया जाता है श्री तुनवाल के उत्साह और श्रम, साध्य प्रयास, जो वर्तमान में व्यवसाय के हर पहलू का प्रबंधन करता है इलेक्ट्रॉनिक की खरीद के लिए अनुसंधान एवं विकास घटक, इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण, बुकिंग और पंजीकरण, और उनके सम्पानित लोगों तक समय पर डिलीवरी यही उनका ध्येय है। तुनवाल मानते हैं कि हमारा व्यवसाय सिर्फ इतना ही नहीं है एक ग्राहक आधार बनाना, लेकिन निर्माण के बारे में भी पीढ़ियों के लिए बेहतर, स्वच्छ और हरित भविष्य आने के लिए अपना योगदान देना है। भारत के विकसित हो रहे ई-2 में एक महत्वाकांक्षी खिलाड़ी के रूप में तुनवाल कहते हैं, ''बाजार में, हम किफायती पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी का मानक बनना चाहते हैं।'' तुनवाल ई-मोटर्स ने एक विस्तृत श्रृंखला विकसित की है, ई-वाहन जो विभिन्न मापदंडों पर खरे उतरते हैं, जिनमें शामिल हैं गति, माइलेज, बैटरी जीवन, आराम और सुविधा। उनकी पेशकशों का केंद्र गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता है सुरक्षा, सभी ई-2 गर्व से ARAI प्रमाणीकरण के साथ। प्रत्येक तुनवाल ई-2 में डिजिटल स्पीडोमीटर, ट्यूबलेस टायर, और एक उच्च-कठोर ट्यूबलर फ्रेम। इसके अतिरिक्त, तुनवाल ई-मोटर्स रंग विकल्पों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है। आज तुनवाल ई-मोटर्स लिमिटेड का लक्ष्य प्रत्येक गैसोलीन बाइक को बदलना है बैटरी से चलने वाली बाइक के साथ सड़कों पर और स्कूटर। सृजन की दृष्टि से प्रेरित पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद बना कंपनी हरित बाजार का नेतृत्व करने का प्रयास करती है। तुनवाल ने आधुनिक नवीनतम तकनीक और अत्याधुनिक डिजाइन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए देने का वादा किया है।

तुनवाल का कहना है कि मेरी दृष्टि बिजली की तेजी से वृद्धि देखने की है भारत में वाहन, देश के कच्चे तेल को काफी कम कर रहे हैं तेल आयात और प्रदूषण के स्तर को कम करना, तुनवाल ने कहा। E2W जैसी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित हैं एक चोरी-रोधी अलार्म और एक स्मार्ट लॉकिंग सिस्टम। इसके बावजूद उनकी उन्नत सुविधाएँ और उच्च गुणवत्ता, तुनवाल E2W हैं आर्थिक रूप से कम कीमत में उपलब्ध है। इसके अलावा सरकारी सब्सिडी योजनाएं, उन्हें और भी अधिक उपयोगी बनाती हैं जिससे उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक विकल्प उपलब्ध है। तुनवाल ने कहा कि हम प्रतिबद्ध हैं किफायती पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी लागू करने के लिए एक बेंचमार्क बना भारत के तेजी से बढ़ते E2W बाजार में जैसे-जैसे हमारा ब्रांड बढ़ता है, हमारा लक्ष्य नवाचार के लिए मानक स्थापित करना है इस विकसित उद्योग में स्थिरता के साथ उपलब्ध कराना है।

कंपनी में अमित कुमार माली, पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्यरत हैं जो दूसरे नंबर पर हैं और तुनवाल के साथ मिलकर काम करते हैं। वह बिक्री सहित दिन-प्रतिदिन के कार्यों की देखरेख करता है विपणन, और तुनवाल को बहुमूल्य अंत दृष्टि को प्रदान करते है, जो है ब्रांड को सफलता में बहुत बड़ा योगदान है। उनकी आकांक्षा है युवाओं के लिए रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा करना भारत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए बिजली के वाहनों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध करवाना। उन्होंने अब तक अपनी कंपनी की 256 डीलरशिप नियुक्तियां करने के साथ ही लगभग 104 करोड़ रुपये की बिक्री की हैं। यह इस ब्रांड की निरंतर प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में कार्य किया कुशल इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के माध्यम से महानता की और दृढ़ विपणन क्षमताएँ का परिणाम है। तुपवाल ने कहा कि हम मानते हैं कि यह केवल हमारा व्यवसाय करने का आधार नहीं है हमारे हर वाहन के निर्माण के बारे में भी बेहतर, स्वच्छ और हरित भविष्य आने वाली पीढ़ियों के लिए किफायती पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी का बेंचमार्क बनाना है।

कंपनी में अमित कुमार माली, पूर्णकालिक निदेशक, दूसरे कमांड के रूप में कार्य

करते है और तुनवाल के साथ निकटता से वह बिक्री और विपणन सहित दिन-प्रतिदिन के कार्यों की देखरेख करते है, जो ब्रांड के लिए बहुत योगदान है उनकी आकांक्षा महत्वपूर्ण सृजन करने की है युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भारत के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों का महत्व बताना है।

झुमरमल तुनवाल की कहानी का एक दिलचस्प पहलू यह है वह ग्रेजुएट भी नहीं है अभी 12वीं ही पूरी की है लेकिन किसी नहान कंपनी का संस्थापक बनने के साथ ही बहुत सारे लोगों को रोजगार दिया है, जिनमें कई योग्य लोग भी शामिल हैं। उसका एक साधारण शैक्षणिक पृष्ठभूमि से नेतृत्व तक का सफर एक सफल उद्यम वास्तव में उल्लेखनीय है। शिक्षा में उनकी विशेष रुचि कभी नहीं रही। उनका जुनून हमेशा व्यवसाय रहा है, और एक सफल उद्यमी बनने की लालसा रही। उन्हें कोई पछताया नहीं है, क्योंकि अब वे कई शिक्षितों को रोजगार के अवसर प्रदान करते है। तुनवाल की उद्यमशीलता यात्रा 1996 में शुरू हुई इससे पहले कि उन्होंने अपनी 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। अपनी 12वीं की परीक्षा के बाद वह अपने चाचा के साथ रहने के लिए मुंबई चले आए। शहर में कुछ समय बिताने के साधारण इरादे से। मुंबई की चकाचौंध और ग्लैमर से मोहित होकर उन्हें ऐसा महसूस हुआ शहर की जीवंत ऊर्जा की ओर अनूठा आकर्षण। बजाय अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए, तुनवाल ने खुद को विसर्जित करने का फैसला किया काम की दुनिया में उनके चाचा इलेक्ट्रॉनिक का व्यवसाय चलाते थे। तुनवाल ने छोटे-छोटे कामों में उनकी मदद करना शुरू कर दिया। एक स्वाभाविक योग्यता और सीखने की उत्सुकता थी। उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता पर किसी का ध्यान नहीं गया। उनके समर्पण और उनकी त्वरित पकड़ से प्रभावित होकर व्यापार संचालन की दुनिया से यह शुरुआती परिचय इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसाय ने तुनवाल के भविष्य की नींव रखी प्रयास तुनवाल ने शुरू में जिस कंपनी की स्थापना की थी उसका नाम तुनवाल था 1997 में पुणे में इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई और सप्लाई का काम किया एकीकृत सहित इलेक्ट्रॉनिक घटकों का व्यापार सर्किट, आईसी, आदि में कंपनी अग्रणी विक्रेता इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में बन गई। तब से वो पीछे नहीं हटे और उनका एक लाभदायक उद्यम बन गया। तभी उन्होंने निर्णय लिया इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों निर्माण करना। 2012 में, तुनवाल ने मिलने के लिए चीन की यात्रा की और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं से मिले। उनका यह दौरा उन्हें इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण स्थापित करने के लिए प्रेरित किया और भारत में ई-2 संयंत्र लगाने के लिए उन्होंने फैक्ट्री की जमीन किराए पर ले ली अपना इलेक्ट्रिक वाहन स्थापित करने के लिए गांधीनगर, अहमदाबाद लगभग 1 करोड़ रुपये में असेंबली प्लांट से शुरुआत की। इलेक्ट्रॉनिक दोपहिया वाहनों के निर्माण में उनकी यात्रा में तुनवाल ने अपने वित्तीय संसाधन और प्रयास दोनों समर्पित कर दिये आने वाले वर्षों में कंपनी को हुए अच्छे खासे मुनाफे से हड़कंप मच गया उन सहयोगियों में से एक में ईष्या में जिसने उसकी मदद की थी भूमि के साथ, इसी सहयोगी ने दुर्भावनापूर्ण ढंग से कार्य कर कंपनी को बड़ा झटका कथित तौर पर उसने आग भड़काई, जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। लेकिन तुनवाल आसानी से निराश नहीं हुए। इसके बजाय, उसने प्रतिकूलता को मुसीबत में बदल दिया विकास का अवसर में लौकिक फीनिक्स की तरह, वह अपने जुनून को राख से पुनर्जीवित किया और उसे पुनः स्थापित किया लाभदायक स्थिति। ''व्यक्ति में वापस उछलने और आगे बढ़ने की क्षमता होनी चाहिए जब चीजें गलत हो जाती हैं तो जीवन में आगे बढ़ें। अगर हम रोते रहेंगे आत्म-दया और हताशा में, हम अपने सपने हासिल नहीं कर सकते, ऐसा तुनवाल कहते हैं.

तुनवाल ई-मोटर्स में, उन्होंने एक विस्तृत श्रृंखला विकसित की है ई-वाहन जो विभिन्न मापदंडों के संबंध में अद्वितीय हैं जैसे गति, माइलेज, बैटरी लाइफ, आराम और सुविधा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका प्रत्येक उत्पाद मजबूती से बनाया गया है गुणवत्ता और सुरक्षा पर ध्यान द। उनके सभी ई-2 एआरआई प्रमाणित हैं। उनके उत्पादों में शामिल अतिरिक्त सुविधाएँ शामिल हैं अन्य चीजों के अलावा एक चोरी-रोधी अलार्म और एक स्मार्ट लॉकिंग सिस्टम। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उनके ई-2 की कीमत किफायती हो सरकारी सब्सिडी योजनाओं के तहत बेचे जाते हैं। बिक्री के बाद की सेवा के लिए कंपनी अत्यधिक प्रतिबद्ध हैं ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए, अतिरिक्त प्रयास यह हमारा एक है सफलता के लिए मुख्य आदर्श चाबय, हैं ''तुनवाल ने कहा, यह था उनकी सफलता के मंत्रों में से एक पहले हम उत्पादन करते थे प्रतिदिन कम मात्रा में वाहन। आज उनकी क्षमता है बढ़ती जा रही है'' तुनवाल ई-मोटर्स में, हमारे लोग काम करते हैं एक अत्याधुनिक सुविधा में जो पालन करती है अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए मानक, उत्पादन सुनिश्चित करना उच्च गुणवत्ता वाले, पर्यावरण-अनुकूल वाहन, तुनवाल ने कई लोगों की तरह इसे भी जोड़ते हुए कहा दुनिया भर की कंपनियाँ, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, वे भी शुरुआत में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा महामारी का। तुनवाल अपनी कंपनी की सफलता का श्रेय अपनी टीम को देते हैं, वे कहते हैं कि वे भावुक, मेहनती और ग्राहक-केंद्रित हैं। इस क्षेत्र की शुरुआत में उन्हें भी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा महामारी। हालांकि धीरे-धीरे परिचालन फिर से शुरू कर दिया, सुरक्षा दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन करना। इस अवधि के दौरान प्री-ऑर्डर पर लगभग 2,500 से अधिक इकाइयां थीं। जल्द ही अन्य कार्यालयों को फिर से खोला और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया प्रोजेक्ट समापन सहित अधिकांश कार्यों को ऑनलाइन स्थानांतरित करे अब, बिक्री में अच्छी वृद्धि के साथ हम हैं। तुनवाल ई-मोटर्स बस नहीं है चुनौतियों पर काबू पाने के लिए प्रतिबद्ध बल्कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भी ऑटोमोटिव में स्थिरता उद्योग के माध्यम से उनकी यात्रा महामारी ने उन्हें मजबूत बना दिया है और अधिक लचीला।

हमारे व्यापार परिदृश्य में एक सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है। तुनवाल परिणाम देने के लिए समर्पित रहते हैं असाधारण, पर्यावरण-अनुकूल वाहन जो उच्चतम मानकों को पूरा करते हैं गुणवत्ता और सुरक्षा की। कंपनी भविष्य को लेकर उत्साहित है एक हरित, अधिक टिकाऊ दुनिया को आकार देने में वे क्या भूमिका निभाएंगे। तुनवाल ई-मोटर्सकल को स्वच्छ बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य के उनके दृष्टिकोण को मूर्त रूप देना। आज तुनवाल अपने समाज के एक आदर्श सफल उद्योगपति होने के साथ समाज के व्यवसायियों के लिए आदर्श है आज भी उनकी प्राथमिकता समाज के वर्यक्ति का इस व्यवसास में प्राथमिकता देने की है। हम झुमरलाल तुनवाल के कड़े संघर्ष के साथ सफलता पर गर्व करते है आप आज युवाओं के लिए आदर्श आईकॉन के रूप में पहचाने जाते है आपका हमारी शुभकामनाएं आप निरंतर तरक्की के पथ पर अग्रसर हो देश व समाज को गौरवान्वित करते रहे।

समग्र माली समाज का भव्य व विशाल "वैवाहिक परिचय सम्मेलन"

गढ़वाल पैलेस तोपदडा, अजमेर मे सम्पन्न हुआ 559 युवक-युवतियो ने दिया परिचय

अजमेर। रविवार को ज्योतिबा फुले सैनी मालियान एकता समिति, अजमेर राजस्थान द्वारा समग्र माली समाज का प्रथम भव्य व विशाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन गढ़वाल पैलेस,अजमेर तोपदडा,अजमेर मे सुबह 10.00 शुरू हुआ । कार्यक्रम कि शुरूआत अतिथियों व पधाधिकारीयो दारा महात्मा ज्योतिबा फुले व माता सावित्री बाई

फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्जली से की गई । समिति के सचिव हेमेन्द सिंगोदिया के अनुसार इस परिचय सम्मेलन को लेकर समाज बन्धुओं में इतना उत्साह था कि एक बार रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि आगे बढ़ानी पड़ गई और आज सुबह भी समाजबंधुयों दारा रजिस्ट्रेशन की जानकारी हेतु लगातार फोन आ रहे थे । लोगों के उत्साह को देखते हुए समिति ने निर्धारित किया था कि सम्मेलन वाले दिन ऑन - स्पॉट- रजिस्ट्रेशन की भी व्यवस्था कि गई जिससे जो लोग पहले अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाए हैं । वह भी अपना रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे, इस परिचय सम्मेलन में काफी संख्या मे गणमान्य समाजबंधु, बुजुर्ग, महिलाए,बच्चे, युवा वर्ग सभी सम्मिलित हुये । तोपदडा मे मेले जैसा माहोल देखा गया । कई परिवार के मुखिया अपने बच्चों व सगे-सम्बधियो के रिश्तो के लिए एक-दुसरे से वार्तालाप करते व सम्पर्क हेतु मोबाईल नम्बर के आदान- प्रदान करते हुये व डायरी मे नोट करते नजर आये । समिति के अनुसार अंतिम तिथि तक 550 के लगभग युवक युवक्तियों के रजिस्ट्रेशन हो चुके थे, युवतियों को परिचय देने पर सम्मान स्वरुप ''विशेष उपहार'' भी दिया गया । सम्मेलन में आने वाले सभी समाज बंधुओ के लिए चाय-पानी और कूपन द्वारा भोजन की व्यवस्था भी रखी गई है । सम्मेलन में राजस्थान के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली आदि कई राज्यों से समाज बंधु सम्मिलित हुये।

आने वाले सभी समाज बंधुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए समिति द्वारा सभी प्रकार के इंतजाम किये गये । बाहर से आने वाले समाजबंधुओ से लिए ठहरने की व्यवस्था भी गढवाल पैलैस मे की गई थी। मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार कच्छावा ने बताया कि इस सम्मेलन के बाद प्राप्त युवक - युवतियों का बायोडाटा प्राप्त होने पर ''वैवाहिक परिचय पुस्तक'' तैयार की जाएगी ताकि समाजबंधुओं को विवाह योग्य-युवतियों के लिए रिश्ते ढूंढने में आसानी रहेगी। इससे पहले वैवाहिक परिचय सम्मेलन माली समाज के सम्मेलन स्थानीय स्तर पर हुए हैं लेकिन यह पूरे भारतवर्ष में एक तरह का पहला सम्मेलन है जिसमें माली समाज की सभी जातियां जैसे कुशवाह, मौर्य, शाक्य, पटेल, विवाह योग्य- युवक्तियां शामिल हुई हैं।

संस्थान के अध्यक्ष अशोक टांक ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और संस्था के सचिव है हेमेंद्र सिंगोदिया ने युवक- युवक्तियां, उनके परिवार, माता-पिता और सभी समाजबंधुओ का आभार और धन्यवाद व्यक्त किया । मंच का संचालन मोनिका सईवाल ने किया। कार्यक्रम में गोकुलधाम के वीरभद्र जी महाराज, राजस्थान माली महासभा के महामंत्री गोपाल माली (भीलवाड़ा), इंदौर के पुरुषोत्तम जी सैनी, उज्जैन के सत्यनारायण कच्छवा, हनुमान प्रसाद कच्छवा, गोपी किशन जादम, दिलीप गढ़वाल, राजकुमार भाटी, सुनील अलुदिया, धमेंद सुईवाल, कैलाश साखला, श्यामलाल तंवर,धमेंद दलवाल, वीरेंद्र चौहान,रणवीर सैनी, दुर्गा परसाद भाटी,राजेन्द्र टांक, महेंद्र कच्छवा महिलाओं में कामिनी कच्छावा अनिता टांक मीरा अलुदिया, नेहा, संतोष,भारती, रेणु, स्नेहलता, नीलू इत्यादि उपस्थित हुए।

सैनी महासभा कार्यकारिणी की बैठक, जिला कार्यकारिणी का शपथ व प्रतिभा सम्मान समारोह 25 अगस्त को

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित नारायण गार्डन में सैनी महासभा कार्यकारिणी की बैठक रविवार को शिम्भूदयाल सैनी की अध्यक्षता में आयोजित में आयोजित हुई। जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला कार्यकारिणी का शपथ व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 25 अगस्त को किया जायेगा। जिलाध्यक्ष बबलू बबेरवाल ने बताया कि समारोह में प्रतिभाओं में 10 वीं एंव 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत, स्नात्तक में 65 प्रतिशत व वर्ष 2024 में राजकीय सेवाओं में नव चयनित एंव सेवानिवृत कर्मचारियों को सम्मानित किया जायेगा। संचालन कुलदीप सैनी बानसूर ने किया। इस मौके पर जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये यूथ जिलाध्यक्ष रामकुमार सैनी रसनाली, पावटा तहसील अध्यक्ष रामसिंह सैनी, उपाध्यक्ष भीमराज सैनी को नियुक्त किया गया।

इस दौरान संयोजक बाबूलाल सैनी, महावीर सैनी, परमानंद सैनी, पूरणचंद

सैनी, दाताराम सैनी, रघुवीर प्रसाद, लीलाराम सैनी, सुभाष जमालपुरिया, गंगाराम सैनी, रतिराम सैनी, रामसिंह सैनी, भीमराज सैनी, रामरतन सैनी, पत्रकार बिल्लूराम सैनी, रामस्वरूप सैनी, गंगाराम सैनी, रामावतार सैनी, हंसराज सैनी, दाताराम सैनी आदि कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

आयोजनः संत लिखमीदास महाराज की जयंती पर अनेक लोग पहुंचे कार्यक्रम में, एकता का आव्हान

शोभायात्रा व सम्मान समारोह का आयोजन

मेड़तासिटी। माली सैनी नवयुवक मंडल के तत्वावधान में रविवार को संत लिखमीदास महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर हवन, शोभायात्रा व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के अनेक जनप्रतिनिधि, सामज सेवी शामिल हुए। माली सैनी नवयुवक मंडल के तत्वावधान में रविवार को सुबह संत लिखमीदास छात्रावास में जयंती के उपलक्ष में हवन का आयोजन हुआ। 9 बजे छात्रावास भवन से संत लिखमीदास महाराज की तस्वीर को सजाकर डीजे और गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा सोजती गेट, हथाई का बास, चौक का बास, चारभुजा मंदिर, पदमकुमारों का मौहल्ला, शिवबाडी होते हुए महात्मा ज्योतिबा फूले भवन पहुंची। इस शोभायात्रा में नवयुवक मंडल के अध्यक्ष डॉ. मतिन्द्र भाटी, सचिव विजयराज सांखला, पार्षद ओमप्रकाश गहलोत, माली समाज के पूर्व अध्यक्ष गोरधनराम टाक, मनोहरलाल गहलोत, माली समाज के पूर्व उपाध्यक्ष शंकरलाल गहलोत, छेलाराम गहलोत, ताराचंद सांखला, ताराचंद मारोठिया शामिल हुए। दोपहर 1 बजे ज्योतिबा फूले भवन में समाज का खुला अधिवेशन एंव सम्मान समारोह हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलोत थे। अध्यक्षता फूले ब्रिगेड राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ललित संजीव मेहरवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोकाला सरपंच धरमाराम सांखला, कात्यासनी सरपंच बाबूलाल जादम, सुखदेव भाटी, पूर्व सरपंच रामस्वरूप दगदी, पूर्व उपप्रधान पाबूराम सांखला, महिला कांग्रेस पार्टी की जिलाध्यक्ष गीता सोलंकी, मकराना नगर परिषद के पार्षद धर्मीचंद सोलंकी, श्यामलाल डाबरियानी, रामस्वरूप दगदी, पूर्व पार्षद कैलाश गहलोत, छोटूलाल गहलोत, लोकेश सैनी शामिल हुए। इस मौके पर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलात ने कहा कि संत लिखमीदास महाराज ने भक्ति कर माली समाज के गौरव को बढ़ाया है।

अनेक लोग हुए शामिलः इस मौके पर महिला कांग्रेस पार्टी की जिलाध्यक्ष गीतादेवी सोलंकी ने कहा कि माली समाज को संगठित होकर सभी क्षेत्र में काम करना चाहिए। इस मौके पर भोपालगढ़ पंचायत समिति के उपप्रधान पाबूराम सांखला, मेड़ता माली समाज के पूर्व अध्यक्ष मेहरवाल सहित अनेक वक्ताओं ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र गहलोत, ताराचंद मारोठिया ने किया। इससे पूर्व विशिष्ट अतिथियों का स्वागत माली समाज के अध्यक्ष जबरचंद भाटी, पूर्व अध्यक्ष बादराम सांखला, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष डॉ. मतिन्द्र भाटी, सचिव विजयराज सांखला, ओमप्रकाश टाक, राजेन्द्र सांखला, मोहित निंबावत, ओमप्रकाश गहलोत, नरेन्द्र चौहान, गंगाराम भाटी, अशोक सांखला, ताराचंद कच्छवाह, रमेश चौहान, रामनिवास चौहान, गणपतलाल सांखला सहित अनेक लोगों ने साफा एंव दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

माली मोहल्ला मे संत लिखमीदास जयती हर्षोल्लास क साथ मनाई :

मेड़तारोड के माली मोहल्ला में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर संत लिखमीदास जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उमेदराम, रमेश भाटी, सुरेश भाटी, रामेश्वरलाल, गिरधर गोपाल, मोहित, कैलाश आदि समाज के बंधु मौजूदा रहे।

शिक्षा ही समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैः माली बुटाटी। बुटाटी में माली समाज सेवा संस्थान द्वारा मनाई गई। संस्थान कोषाध्यक्ष शिव गहलोत ने बताया कि मंदिर व ट्रस्ट तथा समाज के भवन निर्माण के लिए ली गई भूमि में पहली बार आराध्या देव लिखमी दास जी महाराज की तस्वीर के समक्ष पुष्प अर्पित कर जयंती मनाई गई। सदस्य चंपालाल माली ने बताया कि शिक्षा ही समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है, अतःहमें बच्चो को शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा। इस दौरान संस्थान अध्यक्ष रामकिशोर सैनी, सचिव राधेश्याम सैनी, रामकुंवार, रामस्वरूप माली, महेन्द्र सैनी सहित समाज के कई युवा लोग उपस्थित हुए।

पाकिस्तान की जेल तोड़कर भारत वापस आए हापुड़ के वीर सपूत लटूर सिंह सैनी ने मेरठ के अस्पताल में ली अंतिम सांस...

हापुड़। जनपद हापुड़ के मिर्जापुर (सराबा) निवासी लटूर सिंह सैनी ने आज मेरठ के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली लटूरी सिंह सैनी द्वारा 1965 पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान की जेल तोड़कर वापस भारत आए थे सूबेदार लटूर सिंह सैनी जब एक रात लड़ाई लड़ते हुए पाकिस्तान की सीमाओं में पहुंच गए तो वहां पर पाकिस्तानी सैनिकों ने उन्हें बंधक बना लिया लेकिन उनके हौसलों को बंधक नहीं बना सके। जब उन्होंने जेल में देखा कि पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सैनिकों को बहुत अधिक प्रताड़ना दी जा रही है तो उन्होंने जेल तोड़कर भागने का निर्णय लिया इसमें उन्होंने दो साथियों ने उनका सहयोग किया। सूबेदार लटूर सिंह व दो साथियों ने एक योजना बनाई और योजना बनाकर रात के अंधेरे में पाकिस्तान की जेल को तोड़कर वापस भारत लौट आए। ऐसे वीर सपूत को भारत सरकार द्वारा सम्मानित मेडल देकर किया गया था आज ऐसा वीर सपूत हम सब को पीछे छोड़ते हुए ईश्वर के श्री चरणों में विलीन हो सूबेदार लटूर सिंह सैनी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए है।

जोधपुर धर्मशाला हरिद्वार के चुनाव 2 माह में होंगे करवाना अनिवार्य

जोधपुर। जोधपुर धर्मशाला हरिद्वार के चुनाव 2 माह में होंगे करवाना अनिवार्य। आज देवस्थान विभाग ने आदेश जारी करते हुए जोधपुर भवन हरिद्वार के चुनाव 2 माह में करवाने के निर्देश देने के साथ किसी भी प्रकार के नीतिगत निर्णय बिना आमसभा के करवाने की लगाई रोक। संस्थान के आजीवन सदस्य मनीष गहलोत एवम युद्धिष्टर सिंह गहलोत की शिकायत पर देवस्थान विभाग ने आदेश जारी किया।

अखिल भारतीय माली समाज संस्था (जोधपुर भवन, हरिद्वार) के अध्यक्ष द्वारा इस संस्था के रजिस्ट्रेशन हेतु आवेदन किया गया था। जिस पर आजीवन सदस्य मनीष गहलोत ने बिना रजिस्ट्रेशन के संस्था के संचालन का विरोध किया। संस्थान के अध्यक्ष द्वारा 2012 में संस्था के आमसभा में 3 माह में रजिस्ट्रेशन का सभी आजीवन सदस्यों को आश्वासन देने के बावजूद रजिस्ट्रेशन नही करवाया गया। यही नहीं संस्था के चुनाव भी 2012 के बाद नही हुए। 2013 में आमसभा के माध्यम से 5 साल कार्यकाल 2018 तक बढ़ा दिया था। लेकिन उसके बाद 2018 में कार्यकाल पूरा होने के बाद भी 6 साल से चुनाव नही करवाएं गए।

संस्था अध्यक्ष से अपनी मनमर्जी से संस्था के संविधान के विपरीत न तो चुनाव करवाया न ही संस्था की आमसभा का आयोजन 2018 के बाद किया जो वर्ष में एकबार करवाना आवश्यक है जिसमे सात भर के कार्यकलापों की जानकारी देने के साथ आय व्यय का ब्यौरा देना होता है जबकि वर्तमान अध्यक्ष एवं पदाधिकारियो ने नियम विरुद्ध 2024 तक बिना रजिस्ट्रेशन के संस्था का संचालन कर चंदे की रसीद काटने, निर्माण कार्यों के साथ अन्य कार्य किए जो गैर कानूनी है।

संस्था के संविधान में केवल 1 बार 1 साल के लिए कार्यकाल बढ़ाने का प्रावधान आम सभा की अनुमति से होने के बावजूद 6 साल से गैर कानूनी तरीके से वर्तमान कार्यकारणी काम कर रही है। देवस्थान विभाग में अध्यक्ष बाबूलाल पंवार ने अपने बयान में स्वीकारा कि वो बिना आमसभा की सहमति से 2018 के बाद भी संस्था के अध्यक्ष पद पर है यहीं नहीं संस्था के संविधान को अस्वीकार करने की बात भी अपने बयानों में अध्यक्ष ने मानी।

मनीष गहलोत की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता करुणानिधि व्यास ने नियम और संविधान विरुद्ध संस्था के संविधान विरुद्ध वर्तमान पदाधिकारीयो के कार्यों का प्रमाणों प्रस्तुत कर उपायुक्त से नियमानुसार कार्यवाही की बात कही।

जिस पर उपायुक्त देवस्थान ने आदेश जारी किया कि संस्था के चुनाव 2 माह में अनिवार्य करवाएं जाएं साथ ही तब तक कोई भी नीतिगत निर्णय बिना आमसभा के नहीं लेने का आदेश भी जारी किया। इसके अलावा संस्था में अव्यस्थाओं के खिलाफ जोधपुर न्यायालय में भी केस चल रहा है।

माली समाज के सन्तों के नाम विशाल भजन संध्या,सामाजिक अकता, शोभा यात्रा

सोजत। माली समाज द्वारा समाज के आराध्य देव सन्त शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री लिखमीदासजी महाराज का 274 वा जन्मोत्सव पर विशाल भजन संध्या, शोभा एवं कलश यात्रा एवं सामाजिक अकता (समाज की छट्ठी) जिसमें सभी प्रतिष्ठान बंद एवं बड़ी मजेदारी की छट्ठी रख कर मनाई गई। भजन संध्या का शुभारंभ माली समाज भवन में विराजमान संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री लिखमीदासजी महाराज एवं महापुरुष महात्मा ज्योतिबा फूले, माता सावित्रीबाई फूले की प्रतिमा की पूजा अर्चना समाज के चौधरी मुन्ना लाल तंवर, लुंबाराम सांखला, भेराराम पालरिया, तारांचद सैनी जिला अध्यक्ष सोहनलाल टांक टेंट एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष मुकेश टांक एवं समाज के गणमान्य व पंचगण गणपत सिंह पालरिया, मांगीलाल पालरिया, नेनाराम चौहान, लक्ष्मण सांखला, मांगीलाल अटपड़ा, नारायणलाल परिहार, कानाराम परिहार,कालुराम सोलंकी, प्रभुलाल तंवर, गिरधारीलाल गहलोत, महेंद्र पालरिया, गोतम तंवर, गोरी शंकर सांखला, आदि द्वारा की गई। भजन संध्या में गायक हर्ष माली बालोतरा एवं दिनेश टांक सोजत ने अपनी मधुर वाणी से भजनों की प्रस्तुति दी। शोभा यात्रा में समाज के चौधरी मुन्ना लाल तंवर, लुम्बाराम सांखला,भेराराम पालरिया, तारांचद सैनी द्वारा पुष्प वर्षो, बैण्ड की धुन, समाज बन्धु बोली लगाकर घोड़ा पर सवार हुए, विरांगना वाहिनी के व्यवस्थापक राकेश सांखला, श्री मती जय श्री की टीम द्वारा अखाड़ा प्रदर्शन, वाद्य यंत्र, डांडिया गैर आदि की प्रस्तुति, समाज द्वारा सन्तों, महापुरुष फूले दम्पति संजीव झांकियां, महिलाओं ने सिर पर कलश धारण किया समाज के युवाओं, पुरुषों ने ढोल की थाप पर मारवाड़ी परम्परा के अनुसार नाच गान कर आनन्द लिया। शोभायात्रा में हजारों समाज बंधुओं एवं मातृशक्ति ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। शोभायात्रा की व्यवस्था में संजय परिहार, कमलेश सांखला, लक्ष्मण पालरिया, सुरेश पालरिया, राजेन्द्र सांखला,राजाराम टांक,रमेश सांखला, हीरा सिंह सांखला, रामलाल सांखला, सुन्दर भाई परिहार, महेंद्र टांक, शेरसिंह सांखला, बाबूलाल टांक, भाणाराम बागरिया, प्रेमचंद गहलोत, ललित पालरिया, ओमप्रकाश टाक, मांगीलाल तंवर, भरत पालरिया, मुकेश साई साउंड, कालु लाईट वाले, प्रकाश टेंट, शिवलाल गहलोत, शंकर परिहार, लक्ष्मण सांखला, नेनाराम परिहार, अशोक गहलोत, अर्जुन, विकास, हितेश, श्याम परिहार आदि ने सहयोग किया।

शोभायात्रा समाज भवन, जैतारणिया दरवाजा से रवाना होकर मुख्य बाजार, राज पोल गेट, उपखण्ड कार्यालय, सैला का चौक होते हुए फूले गार्डन में महात्मा ज्योतिबा फुले की मूर्ति एवं लिखमीदासजी महाराज की मूर्ति की पूजा अर्चना,पुष्प हार अर्पित कर प्रसादी वितरण के साथ विसर्जन हुई।

गोलमेज सम्मेलन का आयोजन- महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान परिसर में हुआ ट्रस्टी व मामाशाहों को किया सम्मानित

11 प्रस्तावों पर सहमति, आजीवन सदस्य शुल्क में महिलाओं कों 50 प्रतिशत की छुट

जयपुर। महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान परिसर विद्याधर नगर में सोमवार को गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान आजीवन ट्रस्टी व भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता संस्थान के संरक्षक रामलाल कच्छवाह ने की। संस्थान के अध्यक्ष अनुभव चंदेल ने बताया कि दो दिवसीय सत्र में हुए कार्यक्रम में आरएएस ऑकारमल सैनी, ज्ञानचंद सैनी,जोधपुर निगम महापौर कुंती देवड़ा, बंशीधर सैनी व छुटटनलाल फूलवाले के अतिथ्य में संस्थान के आजीवन ट्रस्टी एंव सदस्य शामिल हुए। इस दौरान महासचिव पूनमचंद कच्छवा ने 11 प्रस्ताव रखे, जो सभी ध्वनिमत से पारित किए गए। सभी सदस्यों ने संस्थान के विकास मे प्रस्तावित उपयोगी बहुमंजिला भवन को बनाने के लिए हर संभव मत करने का विश्वास दिलाया। प्रदेश के प्रत्येक जिलों से आए सदस्यों ने समाज के आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा भी की। निर्माणधीन भवन में सहयोग करने के लिए भामाशाहों ने 40 लाख रूपये की घोषणा की। साथ ही संस्थान का आर्थिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। संस्थान के प्रवक्ता भवानी शंकर माली ने बताया कि सम्मेलन में राजस्थान पुलिस सेवा संघ के अध्यक्ष रघुवीर सैनी,सैनी समाज अधिकारी एंव कर्मचारी विकास संस्था के अध्यक्ष सुरेश सैनी, बाल सेवा शाखा के अध्यक्ष मदनलाल सैनी, जुगल किशोर सैनी, रामप्रसाद करोड़िया, नारायण लाल परिहार, संतोष सैनी, रोशन सैनी व ओमप्रकाश सांखला सहित अन्य जिलों के लोग मौजुदा रहें।

इन प्रस्तावों पर बनी सहमति:संस्थान के आगामी चुनाव वर्ष 2025 के जून-जुलाई माह में करवाए जाएंगे। चुनाव करवाने के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। भवन निर्माण के लिए 11 लोगा की कमेटी बनाई जाएगी। संस्थान में आजीवन सदस्य बनने के लिए महिलाओं को शुल्क में 50 प्रतिशत की छुट दी जाएगी,जिसमें महिलाओं से 51 हजार रूपए राशि ली जाएगी, जिस सदस्य का स्वर्गवास हो गया है, उनके परिवार के एक सदस्य को 11 हजार रूपए अंशदान लेकर उनके स्थान पर उसी श्रेणी की सदस्या देने सहित अन्य प्रस्तावों को मुंजरी दी गई।

मानव सेवा - 35 लाख की लागत से 4250 वर्गा फीट में बनेगी रक्तशाला, रक्तदान को मिलेगा प्रोत्साहन

रक्तदान से जुड़ी सारी सुविधाएं एक छत के नीचे मिलेगी, संस्थओं को निशुल्क देगे भवन

पीपाड़ शहर। रक्तदान के लिए लोगो को प्रेरित करने के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अब कुछ समाजसेवी संस्थान इससे भी आगे बढ़ने लगे हैं। रक्तदान के दौरान जगह की समस्या ना हों इसके लिए हैप्पी सेवा संस्थान 4250 वर्ग फीट में एक भव्य रक्तशाला का तैयार करवा रही है। करीब 35 लाख की लाग से तैयार होने वाली इस रक्तशाला में रक्तदान के नीचे मौजुदा होगी, वो भी निशुल्क। संस्था के संस्थापक दिनेश सिंह कच्छवाह ने बताया कि जोधपुर शहर में समाजसेवी निर्मल गहलोत व श्रीश्री रविशंकर द्वारा बनवाई गई रक्तशाला की तर्ज पर यह तैयार की जा रही है। इसके लिए संस्था से जुड़े सदस्यों से भी सहयोग लिया जा रहा हैं।

1250 वर्ग फीट हाल में 20 बेड के साथ होगा रक्तदान रक्तशाला में 1250 स्क्वेयर फीट का एक बड़ा वातानुकूलित हॉल बनाया जाएगा। जिसमें 20 से ज्यादा रक्तदाता एक साथ रक्तदान कर सकेंगे। यहां आत्याधुनिक बेड होंगे। कच्छवाह ने बताया कि हैप्पी सेवा संस्थान के अलावा अन्य संस्थाएं जो रक्तदान शिविर का आयोजन करवाती हैं, उन्हे यहां निशुल्क भवन उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होने कहा कई परिवार या संस्थाए ऐसी भी है जो जन्मदिन या अन्य शुभ अवसरों पर रक्तदान करवाती हैं या करती है उनके लिए भी यहां निशुल्क सेवा रहेगी। संस्थापक दिनेश सिंह कच्छवा ने बताया कि हैप्पी सेवा संस्थान के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा रक्तदान शिविरों, मेडिकल कैंप के साथ विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करवाया जाता हैं तों भवन निशुल्क मिलेगा। ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका फायदा मिले। वही जन्मदिन,सालगिरह पर आयोजित होने वाले रक्तदान शिविरों के लिए भवन निशुल्क उपलब्ध रहेगा। संस्था के संस्थापक दिनेश सिंह कच्छवाह ने स्वय 22 बार रक्तदान कर चुके है।

ये निभाते है अहम भुमिका: हैप्पी सेवा संस्थान में प्रकाश मारोठिया, माधुसिंह कच्चाहा, रामकिशोर कच्छवाह, गजेन्द्र सांखला, विक्रम सांखला, बंसी टाक, सरवन सांखला, पर्वत टाक, सुखदेव गहलोत डॉ.रविन्द्र टाक, तेजाराम परिहार, बुद्धाराम कच्छवाह, अशोक सांखला, गणपत भाटी, सरवन टाक जितेन्द्र टाक, पवन शर्मा, किशन भाटी एंव पवन टाक की भुमिका अहम रही है। संस्थान द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को रक्तदान के दौरान असुविधा ना हो इसलिए रक्तशाला का निर्माण करवाया जा रहा है। इससे रक्त की कमी पूरी होने के साथ लोगों में जागरूकता भी आएगी। प्रकाश मारोठिया, अध्यक्ष, हैप्पी सेवा संस्थान

12 सालों में 29 रक्तदान शिविरों में 6 हजार यूनिट का रक्त एकत्र किया: संस्थान पिछले 12 सालों मे 29 से अधिक रक्तदान शिविरों में 6 हजार यूनिट रक्त एकत्र किया हैं, जो ग्रामीण क्षेत्र मे सर्वाधिक है। संस्थापक कच्छवा स्वयं 22 बार रक्तदान कर चुके हैं। संस्थ एक ही दिन में सर्वाधिक 452 युनिट का रक्तदान करवाकर ग्रामिण क्षेत्र में सर्वाधिक रक्तदान का रिकॉर्ड भी बना चुकी है। इसके अलावा संस्थान ने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत अब तक 1200 से ज्यादा हेलमेट का वितरण किया है। कोरोना काल में 10 हजार पौधे रोपकर व लोगों को बांटकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जोगरूक किया था।

माली संस्थान, जोधपुर

नैनूराम अचल स्मृति भवन, महामन्दिर, मण्डोर रोड, जोधपुर (राज.) दूरभाष : 0291-2543905

माली संस्थान जोधपुर द्वारा छात्रवृति 2024 के लिए इच्छुक निर्धारित योग्यताधारी अभ्यार्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र (Online Application Form) आमन्त्रित किये जाते है।

1. मेधावी छात्र-छात्राओं को जिनका चयन CAT, CLAT, JEE, Mains / Advance, AIIMS अथवा NEET में हुआ है अथवा जिन्होंने CA, CS, ICWA आदि अन्य प्रोफैशनल कोर्स सफलता पूर्वक कर लिए है।
2. मेधावी छात्र-छात्राओं को जिन्होंने कक्षा दसवीं व बारहवीं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक तथा उच्च शिक्षा (स्नातक/स्नातकोत्तर) में 70 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त किये है।
3. ऑनलाईन आवेदन स्वयं के स्तर पर वेबसाइट www.sainimailisamaj.com पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से दिनांक 10 जुलाई 2024 से 5 अगस्त 2024 रात्रि 12 बजे तक किया जा सकता है। (2024 के परिणाम वाले आवेदन ही स्वीकार होंगे।

विशेष नोट : स्कूल शिक्षा एवं कॉलेज शिक्षा के लिए माली संस्थान जोधपुर द्वारा संचालित छात्रावास कीर्ती नगर में प्रवेश प्रक्रिया चालू है।

इच्छुक छात्र-छात्राएं सम्पर्क करें : 9785786319 /9588219958

निवेदक : अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण माली संस्थान जोधपुर

4 करोड़ में भूखंड खरीदा, 2 मंजिला भवन बनाया, तीसरी मंजिल अब बनेगी, 273 भामाशाह सम्मानित

माली समाज की पहलः मरीजों के परिजनों के लिए अहमदाबाद में शुरू किया जोधपुर भवन

जोधपुर। अब जोधपुर से अहमदाबाद इलाज के लिए जाने वालों को टहरने, खाने-पीने के लिए इधर-उधर भटकना नही पड़ेगा। इसके लिए जोधपुर के माली समाज ने पहल करते हुए हरिद्वार के बाद अहमदाबाद मे भी जोधपुर भवन तैयार किया है। वातानूकुलित कमरों से सुसज्जित इन कमरों में ठहरने का किराया एक सो रूपए प्रतिदिन और भोजन का तीस रूपए प्रतिदिन मात्र शुल्क होगा। सिविल हॉस्पिटल के गेट नंबर सात व आठ माली का कुआं शाहीबाग में जोधपुर भवन जोधपुर वासियों के लिए लागत से भी कम दर पर उपलब्ध रहेगा।

दरअसल, जोधपुर से अधिकतर लोग इलाज के लिए सिविल समेत अनेक अस्पतालों में जाते है, लेकिन मरीजों के साथ वालों रहने और खाने-पीने के लिए उचित दर पर जगह नही मिलती। ऐसे मे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मानव सेवा के उदेश्य से हरिद्वार में जोधपुर भवन धर्मशाला संचलित करने वाले माली समाज के लोगों से आग्रह किया तो माली समाज ने यहां अभी 15 कमरे व हॉल की धर्मशाला चालु कर दी। जिसका उद्घाटन 15 जुलाई सोमवार को सांसद राजेन्द्र गहलोत, जेडीए के पूर्व चेयरमैन राजेन्द्र सिंह सोंलकी, आरसीए के पूर्व अध्यक्ष वैभव गहलोत, डीसा विधायक प्रवीण भाई, जोधपुर भवन के अध्यक्ष बाबुलाल पंवार समेत अनेक पूर्व सांसद एमएलए, पार्षद आदि जन प्रतिनिधियों, भामाशाहों और समाजसेवियो ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेन्द सोंलकी व उपाध्यक्ष जेठुसिंह कच्छवाह ने बताया कि उद्घाटन मौके पर शिक्षाविद् देवचंद देवड़ा, हिमला गहलोत, पूर्व सांसद सुरेद्रनगर शंकर भाई, सिरोही के रघुभाई देवड़ा, महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगाराम गहलोत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामलाल कच्छवाह, उपाध्यक्ष हिम्मतभाई सोंलकी, महासचिव रामनारायण चौहान दिल्ली समेत समाज के 273 भामाशाहों का सम्मान किया गया। इस मौके पर कोषाध्यक्ष नरपतसिंह सांखला समेत जोधपुर भवन के सभी 21 सदस्य, इंजिनियर अशोक सिंह भाटी, प्रेमसिंह गहलोत आदि मौजूद थे।

अन्य समाज के लोग भी रूक सकेंगे, शुल्क मामूली देना होगा : अखिल भारतीय माली समाज संस्थान जोधपुर के महामंत्री किशोरसिंह सांखला ने बताया कि माली समाज ने कोरोनाकाल से पहले समाज के भामाशाहों, समाजसेवियों की मदद से सिविल अस्पताल के पास पहले तो डेढ़ करोड़ में एक प्लॉट फिर ढाई करोड़ में एक मकान खरीदा। फिर मकान को तुड़वाकर 900 गज साइज मे दो मंजिला भवन का निर्माण करवाया। जिसमें अभी 60 बेड की सुविधा की गई है। जिसके तीसरे मंजिल का कार्य होना शेष है। इसमें कार पार्किंग, भोजनशाला लिफ्ट तक की सुविधा की गई हैं। इसके अलावा तीस रूपए मे प्रति व्यक्ति भोजन कर सकेगा। जिसमें दो सब्जी, रोटी और खिचड़ी की सुविधा भी दी गई है। यहां से मरीजों के लिए भी खिचडी ले जाने की सुविधा प्रारंभ की गई है। इसमें माली समाज के अलावा भी अन्य समाज के लोगों के रूकने की भी सुविधा रहेगीं

हरिद्वार मे 2 जोधपुर भवनः मंत्री आनंद सिंह कच्छवाह व उपमंत्री सुरेन्द्रसिंह सांखला ने बताया कि हरिद्वार मे करीब 36 साल पहले जोधपुर भवन की शुरूआत पूर्वजों द्वारा हुई। जिसमें करीब 82 एसी और नॉन एसी कमरे निर्मित किए गए। इसके बाद 11 साल पहले 34 कमरों का दुसरा जोधपुर भवन शुरू किया गया। जिसमें 16 वातानुकूलित कमरे सहित भोजनशाला की भी सुविधा है।

ड्राइंग करने की उम्र नहीं होती कई लोग अपना डिप्रेशन लेवल कम करने के लिए करते हैं

जोधपुर। ड्राइंग डे के अवसर पर शहर में कई ऐसे आर्टिस्ट है जो अपनी चित्रकारी के जरिए शहर की गलियों को सजाई हैं। वे बताते हैं कि एक कलाकार जब अपनी कल्पनाओं को एक कैनवास पर उकेरता है तब पेंटिंग्स एक मेडिटेशन का भी काम करती है। रंगों को कैनवास पर उकेरने के लिए फोकस के साथ व्यक्ति अपने मन में चल रहे इमोशन को दिखा सकता है।

बदलते समय में लोग अब कलाकार और कलाकृति दोनो को स्वीकारने लगे है। सुंदर कलाकृति को लोग अपने घर, ऑफिस, स्कुल, जिम, योगा सेंटर, सैलून में भी सजावट के रूप में लगाते है। ड्राइंग करने की उम्र नहीं होती कई लोग अपना डिप्रेशन लेवल कम करने के तो कई शौकिया तौर पर अनपी हॉबी और कला को निखारते हैं।

शादी के बाद मिली पहचानः दिव्या

दिव्या गहलोत एक लिप्पन औश्र मोजेक आर्ट में स्पेशलिस्ट एक आर्टिस्ट है। वे बताती है कि ड्राइंग्स का पेंटिंग्स उनके लिए सिर्फ हॉबी को भी निखारा और आज इसे अपना प्रोफेशन बना लिया। शादी के बाद परिवार और पति के सहयोग से उन्होने अपनी कला को अलग स्तर पर प्रस्तुत किया। दिव्या दीवार पेंटिंग, चित्र, डूडलिंग, लिप्पन मिट्‌टी कला, दर्पण मोजेक कला जैसी कई तरह की आर्ट से अपनी अलग पहचान बना चुकी है। यूथ का भी इस कला को समझ कर अपनी हॉबी को निखार इस शहर की दीवारों को खूबसूरत बनाना चाहिए।

पेंटिंग के लिए एकाग्र होना जरूरी : पिछले काफी समय से चित्रकारी कर रही है। उन्होंने ने बताया कि पहले ड्राइंग को हॉबी के रूप में देखा जाता था लेकिन अब लोग अपने शौक के कारण करते हैं। अब ड्राइंग सिर्फ पेंसिल या पेन से स्केच करना या पेन से स्केच करना या कलर भरना नहीं है। वही कई लोग इसमें अपना कॅरिअर चन कर अपनी अलग पहचान भी बनाते हैं। ड्राइंग सामने से जितनी आकर्षित दिखती है उतनी ही उसमें गहराई भी होती है।

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर

श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर

श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लारामगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल(ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,

हार्दिक बधाई

समाज के युवा
रामकिशोर देवड़ा
के सीबीआई ऑफिसर (एपीपी) में ऑल इंडिया में प्रथम आने पर हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं।

समाज गौरव, न्यायविद
माननीय जस्टिस
कमल सिंह सैनी
पूर्व सचिव कानून मंत्रालय, के सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

समाज गौरव
डॉक्टर संजय गहलोत
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ब्यावर को आज राज्य स्तर पर उत्कृष्ट स्वास्थ सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल जी द्वारा सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

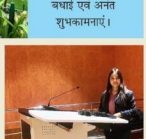

समाज गौरव
सुश्री शीतल सोलंकी
सुपुत्री अर्जुन सिंह सोलंकी के आईआईटी जोधपुर में सीनियर रिसर्च फेलो (सीनियर रिसर्च फेलो एट डिपार्टमेन्ट ऑफ केमिकल इंजिनियररिंग आईआईटी जोधपुर) के पद पर अपॉइंटमेंट होने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडंनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर
श्री रविन्द्र सिंह परिहार, नागौर मोटर्स, नागौर
श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह कच्छवाह, पीपाड़
श्री कुशाल कच्छवाह, के. के. फिलिंग स्टेशन, जोधपुर
श्री राहूल (राजा) पुत्र श्री जगदीश सांखला, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम गहलोत, जोधपुर
श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण राम सोलंकी, बिलाड़ा
श्री इंद्र सिंह टाक (अध्यक्ष, ठेकेदार संघ,जोधपुर PWD)
श्री मुरलीधर सैनी, सुरजमल विनयकुमार, सरदार शहर
श्री हिमांशु पुत्र श्री जब्बरसिंह परिहार, राम सागर, जोधपुर
श्री पूनमसिंह पुत्र श्री पूरखाराम गहलोत, खेमें का कुंआ, जोधपुर
श्री सुभाष पुत्र श्री मूलाराम देवड़ा, सुरपूरा, मण्डोर, जोधपुर
श्री नितिन सांखला पुत्र श्री जगदीश चंद्र नागदा, धार, म. प्रदेश
श्री ताराचंद पुत्र श्री नखतमल माली, मण्ड़ोर, जोधपुर
श्रीमती दीपा प्रदीप टाक, महामन्दिर जोधपुर

माली सैनी सन्देश

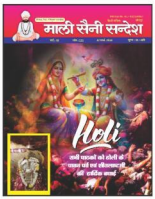

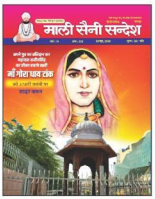

ही क्यों ? क्योंकि, हमारे पास है सेकड़ों एन.आर. आई. सहित 5 हजार पाठकों का विशाल परिवार

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

दिनांक _____

सदस्यता फॉर्म

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियाँ आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 94144754 64 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन/मोबाईल _____ ई–मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____ हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर – 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

INNER COLOR

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर – 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)

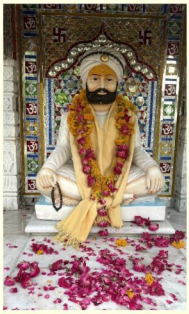

अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन संस्थान पुष्कर अजमेर में संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज की 294वी जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई जिसके अध्यक्षता मिश्रीलाल दगदी किशनगढ़, मुख्य अतिथि हनुमान प्रसाद कच्छवाह संस्थान के अध्यक्ष ओमप्रकाश सांखला, विनोद गढ़वाल, माखनलाल मारोठिया, धर्मेंद्र टांक, रवि कच्छावा एवं किशनगढ़ मकराना परबतसर की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर आयोजन में हिस्सा लिया।

जोधपुर में गुरू पुर्णिमा पर आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

प्रेषण तिथि : 29/30 जुलाई, 2024
समाचार पत्रिका पंजीयन सं. :RAJHIN/2013/60831
मुद्रण तिथि : 28 जुलाई , 2024
Postal Regd No. Jodhpur/496/2024-26
प्रेषण स्थान : RMS जोधपुर

स्थान : आर्य समाज भवन, मोहनपुरा रातानाड़ा, जोधपुर

नमस्कार

जय लिखमीदासजी महाराज

समाज के डॉक्टर, बी.टेक, एम.टेक, सी.ए., पोस्ट ग्रेज्यूएट और एमबीए उच्च शिक्षित विवाह योग्य अविवाहित युवक युवती के मेल मिलाप का आयोजन रविवार 11 अगस्त 2024 को किया जायेगा। आयोजन में युवक-युवती की उपस्थिति आवश्यक है साथ ही परिजनों को ही प्रवेश दिया जायेगा। समाज के इस प्रथम आयोजन में टेबल मीटिंग सिस्टम होगा।

रजिस्ट्रेशन की अन्तिम तिथि
बुधवार
31.07.24

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करे :

माली सैनी संदेश मो. : 9414475464

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR